राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

(Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

futurelinetimes.page

आवाज़ राष्ट्र की

वर्ष : 04 अंक 70 सोमवार 07 जुलाई 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

दलाई लामा का 90वें जन्मदिन पर दुनियाभर से आए भावुक संदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा का आज 90वां जन्मदिन है। इस मौके पर उन्होंने दुनिया भर के अपने अनुयायियों को एक भावुक संदेश दिया। उन्होंने खुद को एक 'साधारण बौद्ध भिक्षु' बताया और करुणा, सौहार्द और आंतरिक शांति के महत्व पर जोर दिया। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में आयोजित समारोह में सैकड़ों अनुयायियों की मौजूदगी में दलाई लामा ने कहा कि भले ही वे व्यक्तिगत रूप से जन्मदिन नहीं मनाते, लेकिन यदि ऐसे अवसरों पर दूसरों की भलाई के लिए काम किया जाए तो वह उन्हें महत्व देते हैं। दलाई लामा ने जन्मदिन समारोह में यह भी आशा जताई कि वे 130 वर्ष तक जीवित रह सकें ताकि बुद्ध के सिद्धांतों और मानवता की सेवा को जारी रख सकें। उन्होंने 1959 में तिब्बत से निर्वासन के बाद भारत में अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि धर्मशाला में रहते हुए वह लोगों की सेवा करते रहेंगे और मानसिक शांति तथा करुणा के माध्यम से दुनिया को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास करते रहेंगे।

अमेरिका ने भी दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और तिब्बती समुदाय के धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें अपने धार्मिक नेताओं को 'बिना किसी हस्तक्षेप' के चुनने का अधिकार होना चाहिए। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बयान में कहा, अमेरिका उनके 90वें जन्मदिन पर परम पूज्य दलाई लामा को शुभकामनाएं देता है। दलाई लामा एकता, शांति और करुणा का संदेश देकर लोगों को लगातार प्रेरित करते हैं।

दलाई लामा ने अपने संदेश में कहा, 'मेरे 90वें जन्मदिन के अवसर पर मुझे यह जानकर खुशी हुई कि दुनिया भर में, विशेष रूप से तिब्बती समुदायों में, लोग इस अवसर को करुणा, सौहार्द और परोपकार के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए उपयोग में ला रहे हैं। मैं खुद को सिर्फ एक साधारण बौद्ध भिक्षु मानता हूं। मैं सामान्यतः जन्मदिन नहीं मनाता, लेकिन चूंकि आप लोग इस दिन को लेकर आयोजन कर रहे हैं, इसलिए मैं कुछ विचार साझा करना चाहता हूं।' उन्होंने कहा, 'जहां भौतिक विकास आवश्यक है, वहीं मानसिक शांति प्राप्त करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह तभी संभव है जब हम एक अच्छे दिल के साथ जीवन जिएं और केवल अपनों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी प्राणियों के लिए करुणा रखें। इसी के माध्यम से दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाया जा सकता है।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर विवाद: सुप्रीम कोर्ट पहुंची राजद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विवाद के बाद अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। राजद सांसद डॉ। मनोज झा ने चुनाव आयोग के इस कसम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मनोज झा ने चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने की सुप्रीम कोर्ट से मांग की है। इससे पहले एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा भी चुनाव आयोग के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट मे चुनौती दे चुके है इन याचिकाओं मे कहा गया है चुनाव आयोग का यह फैसला मनमाना है और इसके चलते बिहार के लाखों मतदाताओं का मतदान का अधिकार छीन लिया जाएगा। बिहार में इसी साल चुनाव होना है। बीते 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न की घोषणा की थी। आयोग के इस फैसले पर कई विपक्षी दल के नेता भी अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं. इस मामले में चुनाव सुधारों पर नजर रखने वाली संस्था एडीआर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। संस्था का कहना है कि, चुनाव आयोग की यह नीति संविधान के खिलाफ है। इससे वो लोग जो गरीब हैं, जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें वोट देने के अधिकार से वंचित किया जा सकता है।

आज ट्रंप से मिलेंगे नेतन्याहू

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। इस अहम बैठक में गाजा में युद्धविराम की कोशिशों और ईरान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये मुलाकात ट्रंप की मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने की कोशिशों का हिस्सा है। डोनाल्ड ट्रंप गाजा में सीजफायर को प्राथमिकता दे रहे हैं और ये मुद्दा दोनों नेताओं की मीटिंग में सबसे ऊपर रहेगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप कई दिनों से इस दिशा में संकेत दे रहे हैं। इधर, हमास ने भी अमेरिका द्वारा प्रस्तावित सीजफायर प्लान पर सकारात्मक रुख दिखाया है और बातचीत के लिए तैयार होने की बात कही है। इस योजना में बंधकों की रिहाई और संघर्ष समाप्त करने को लेकर बातचीत का प्रस्ताव है।

लाइन पर आए बिलावल बोले- तो- हम हाफिज सईद और मसूद अजहर को भी सौंप देंगे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल संधि को रद्द करने के बाद पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने आती नजर आ रही है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष और देश के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान उन लोगों को सौंपने के लिए तैयार है, जिसे लेकर भारत हमेशा शिकायत करता रहता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान को विश्वास बहाली के उपाय के तौर पर भारत को 'चिंता के विषय' वाले व्यक्तियों को प्रत्यर्पित करने पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कि नई दिल्ली इस प्रक्रिया में सहयोग करने की इच्छा दिखाए।

इजरायल-ईरान जंग के बाद पहली बार सबके सामने आए खामेनेई

तेहरान (एजेंसी)। इजरायल-ईरान संघर्ष का अंत 24 जून को ही हो गया था, लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई कहीं नजर नहीं आ रहे थे। इसको लेकर विदेशी मीडिया में हलचल तेज थी और कई तरह के सवाल पूछे जाने लगे थे। इशारों-इशारों में बात कही तो इजरायली मीडिया ने भी सवाल पूछना शुरू कर दिया। खबरों के अनुसार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को न तो सार्वजनिक रूप से देखा गया, और न ही उनसे कोई बात हुई है। ईरान-इजरायल के बीच युद्ध विराम के बावजूद खामेनेई अब तक सामने नहीं आए हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आशूरा से जुड़े एक शोक समारोह में शामिल हुए। ईरान-इजरायल युद्ध शुरू होने के बाद वह पहली बार सार्वजनिक से सामने आये थे। खामेनेई के सबके सामने नहीं आने से इजरायल द्वारा संभावित हमलों से पहले ईरानी नेता खामेनेई को दी गई कड़ी सुरक्षा का संकेत मिलता है। वॉशिंगटन स्थित मानवाधिकार कार्यकर्ता समूह के अनुसार, ईरान पर इजरायल के हमले में कम-से-कम 417 नागरिकों सहित 1,000 से अधिक लोग मारे गए। दावा किया जा रहा था 13 जून को जैसे ही इजरायल ने ईरान पर मिसाइल दागने शुरू किए, तभी खामेनेई को छिपा लिया गया था। दरअसल, उन्हें इस बात का डर था कि इजरायल उनकी हत्या की कोशिश कर सकता है। खामेनेई की सुरक्षा ईरान की स्पेशल सिक्योरिटी 'सेपाह-ए-वली-ए-अम्र' के हवाले है, जिसमें करीब 12 हजार बॉडीगार्ड्स रहते हैं। इन सभी की जिम्मेदारी अलग-अलग होती है। ईरान के परमाणु हथियार बनाने के मंसूबों को नाकाम करने के लिए इजरायल ने बीते 13 जून को तेहरान के कई न्यूक्लियर प्लांट को निशाना बनाया था, जिसके बाद दोनों देशों में जंग की शुरुआत हो गई। इजरायल ने दावा किया था कि उसने लगभग 30 ईरानी कमांडरों और 11 परमाणु वैज्ञानिकों को मार डाला, जबकि आठ परमाणु संबंधित प्रतिष्ठानों और 720 से अधिक सैन्य बुनियादी ढांचे के स्थलों को तबाह कर दिया।

भारत का दिखा शौर्य: ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर पीएम मोदी का ब्राजील में हुआ स्वागत

रियो डी जेनेरो (एजेंसी)। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्राजील पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यहां भव्य स्वागत किया गया। खास बात ये थी कि यहां भारत का शौर्य दिखाई दिया और पीएम का स्वागत ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर किया गया। यहां एयरपोर्ट पर उनका राष्ट्रीय सम्मान के साथ स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा, 'मैं रियो डी जेनेरो, ब्राज़ील पहुंचा हूं, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और उसके बाद ब्राज़ील की राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा, जहां मुझे राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के निमंत्रण पर राजकीय दौरे पर जाना है। इस यात्रा के दौरान उपयोगी बैठकों और संवादों की एक प्रभावशाली श्रृंखला की प्रतीक्षा है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अर्जेंटीना गए थे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। पिछले 57 सालों में यह पहली बार है कि अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा पर भारतीय प्रधानमंत्री पहुंचे। इससे पहले साल 2018 में पीएम मोदी अर्जेंटीना गए थे, लेकिन उस यात्रा का मकसद जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होना था। इस बार उनकी पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। इससे पहले पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि ब्यूनस आयर्स में द्विपक्षीय यात्रा को साकार करने के लिए अर्जेंटीना के साथ संबंध स्थापित करना। मैं प्रेसिडेंट जेवियर माइली के साथ फिर से मिलने और उनसे विस्तार से बात करने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ब्यूनस आयर्स में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह देखना वाकई बहुत अच्छा है कि कैसे घर से हजारों किलोमीटर दूर भारत की भावना हमारे भारतीय समुदाय के माध्यम से चमकती है।

प्रधानमंत्री मोदी अर्जेंटीना की दो दिवसीय यात्रा के तहत राजधानी ब्यूनस आयर्स पहुंचे, जहां एजीजा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली से भेंट करने के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे, जहां दोनों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक सम्मान के साथ स्वागत किया गया, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। इस मौके पर दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया और गले मिले। फिर प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता के लिए राष्ट्रपति भवन में चले गए।

शिवराज-खट्टर समेत 6 चेहरे भाजपा अध्यक्ष की रेस में

-संगठनात्मक अनुभव के साथ जातीय-क्षेत्रीय समीकरण देखे जा रहे; केंद्रीय चुनाव समिति का गठन जल्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा जल्द ही नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। भाजपा नए अध्यक्ष के लिए 6 नामों पर विचार कर रही है, इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। वहीं, भाजपा महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े भी रेस में बताए जा रहे हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए तीन मुख्य बातों-संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, जातीय समीकरण को ध्यान में रख रही हैं। जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक केंद्रीय चुनाव समिति का गठन हो सकता है। यदि चुनाव की जरूरत पड़ती है तो यह समिति नामांकन, जांच और मतदान की प्रक्रिया की पूरी करेगी। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है।

भाजपा के 37 में से 26 प्रदेश अध्यक्ष चुने गए

पार्टी संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50 प्रतिशत राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुनने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं। इनमें से 26 राज्यों में अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। भाजपा ने जुलाई के शुरुआत 2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने। इसके बाद से राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। पार्टी ने 1-2 जुलाई को 9 राज्यों (हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दमन दीव और लद्दाख) में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव किया।

राहुल गांधी ने कहा- बिहार को बना दिया क्राइम कैपिटल, अब बदलाव जरूरी

- व्यवसायी खेमका हत्याकांड से राज्य में रोष व्याप्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा और प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जबरदस्त निशाना साधा है। उन्होंने प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर कहा कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। अब जबकि बिहार विधानसभा चुनाव करीब ही हैं तो ऐसे में बदलाव जरुरी हो गया है। राज्य में क्राइम रेट बढ़ने से राजनीति भी गर्मा गई है।

दरअसल कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। बिहार आज लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है- और सरकार पूरी तरह नाकाम। इसी के साथ ही राहुल गांधी ने पोस्ट में आगे लिखा है, कि बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके बेहतर भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली- एक चीख है बदलाव की। अब समय है एक नए बिहार का- जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि बिहार को बचाने के लिए भी है।

यहां बताते चलें कि बिहार के प्रमुख उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या शुक्रवार रात करीब 11 बजे की गई थी। गांधी मैदान थाना क्षेत्र के रामगुलाम चौक के पास स्थित अपार्टमेंट के गेट के सामने अज्ञात हमलावरों ने उन्हें सिर में गोली मारी थी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

हत्या को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और कहा है, भाजपा-नीतीश कुमार ने बिहार को क्राइम कैपिटल बना दिया है। व्यापारी, आम नागरिक, महिलाएं– कोई सुरक्षित नहीं। वहीं इस घटना के बाद आरजेडी, कांग्रेस, और अन्य विपक्षी नेताओं ने भी बिहार में बिगड़ी कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार और भाजपा पर सवाल उठाए हैं। बड़ी संख्या में राजनीतिक नेता शनिवार को खेमका परिवार से मिलने भी पहुंचे थे।

मंडी में फिर फटे बादल, 9 जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी

हिमाचल में 269 सड़के, 285 बिजली ट्रांसफॉर्मरों और 278 पेयजल योजनाओं ठप

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बारिश तबाही मचा रही है। मंडी में एक बार फिर बादल फटा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के रविवार को जारी रेड अलर्ट के बीच सुबह से राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मूसलाधार बारिश हो रही है। मंडी, कांगड़ा और सिरमौर जिलों में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि शिमला, सोलन और हमीरपुर समेत 9 जिलों में अगले 24 घंटे के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की गई है।

इस बीच मंडी जिला में फिर बादल फटने से दहशत फैला गई। पधर उपमंडल की टिक्कन पंचायत के सिलबधानी गांव में बीती देर रात बादल फटा, जिससे स्थानीय नाले में बाढ़ आ गई और दो पुलियां बह गईं। इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। प्रशासन की टीम क्षति का आकलन कर रही है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश कांगड़ा जिला के नगरोटा सुरियां में 102 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा ऊना में 62 मिमी, धर्मशाला में 61 मिमी, कटुआला और घमरूर में 40-40 मिमी, बरठीं में 38, सुजानपुर टीहरा में 36, भराड़ी में 35, नादौन में 30 और मंडी में 21 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

मौसम विभाग ने रविवार के लिए कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि सोमवार को बहुत भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया है। 8 से 10 जुलाई तक येलो अलर्ट और 11 व 12 जुलाई को सामान्य बारिश की संभावना जताई है। लगातार बारिश से राज्य में जनजीवन अस्त-व्यस्त है। आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक रविवार सुबह तक प्रदेश में 269 सड़कों, 285 बिजली ट्रांसफॉर्मरों और 278 पेयजल योजनाओं पर असर पड़ा है। अकेले मंडी जिले में 200 सड़कें, 236 ट्रांसफॉर्मर और 278 जल योजनाएं ठप पड़ी हैं। यह जिला इस समय सबसे ज्यादा प्रभावित है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक 20 जून से 5 जुलाई के बीच हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और सड़क हादसों में अब तक 74 लोगों की मौत हो चुकी है। 115 घायल हैं, जबकि 37 लोग अभी भी लापता हैं। इस अवधि में राज्य को 566 करोड़ रुपए से ज्यादा की जनधन हानि का सामना करना पड़ा है। मंडी जिले में 30 जून की रात बादल फटने की 12 घटनाओं में 14 लोगों की जान चली गई और 31 लोग लापता हो गए। कांगड़ा जिले में 13 मौतें हुई हैं, जिनमें 7 भूस्खलन और 2 बादल फटने से हुईं।

प्राकृतिक आपदाओं के चलते 19 मकान पूरी तरह ध्वस्त, 93 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त, 213 पशुशालाएं और 21 दुकानें बर्बाद हो चुकी हैं। खेती और बागवानी को भी भारी नुकसान पहुंचा है। साथ ही 10,000 पोल्ट्री पक्षी और 253 मवेशी मारे गए हैं। फिसलनभरी सड़कों और कमजोर पुलों के चलते सड़क हादसों में 27 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें चम्बा में 6, मंडी, बिलासपुर और कुल्लू में 3-3 मौत हुई हैं।

चिराग पासवान लड़ेंगे विधानसभा चुनाव, बोले- बिहार की 243 सीटों पर उतरेगी पार्टी

एनडीए में दरार के संकेत, बीजेपी-जेडीयू की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

छपरा (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को बड़ा राजनीतिक ऐलान करते हुए कहा कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और उनकी पार्टी राज्य की 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार मैदान में उतारेगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित 'नव संकल्प महासभा' को संबोधित कर रहे थे। यहां पर चिराग ने कहा कि बिहार के विकास और युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने के लिए वह सीधे मैदान में उतरना चाहते हैं। उनके इस ऐलान को एनडीए में खिंचाव के रूप में देखा जा रहा है, जिससे बीजेपी और जेडीयू की रणनीति पर असर पड़ सकता है।

विरोधियों पर साधा निशाना

चिराग ने कहा, कि मेरे विरोधी मेरी राह में रोड़े अटकाना चाहते हैं, लेकिन मैं बिहार के हित में चुनाव लड़ूंगा और जनता की आवाज बनूंगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि पार्टी अब सिर्फ सहयोगी भूमिका नहीं निभाएगी, बल्कि पूरे राज्य में अपने दम पर लड़ाई लड़ेगी।

खेमका हत्याकांड पर उठाए सवाल

राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या पर चिराग ने चिंता जताई। उन्होंने कहा, कि यह घटना उस सरकार में हो रही है जिसकी पहचान सुशासन की है और मैं खुद उस सरकार का हिस्सा हूं। यह सवालों से भागने का वक्त नहीं है। चिराग ने सरकार और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी तय करने की बात कहते हुए पूछा कि क्या प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी थी? उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी सरकार की होती है, चाहे घटना पटना में हो या किसी दूरस्थ गांव में।

एनडीए के लिए नई चुनौती?

हालांकि चिराग पासवान अभी एनडीए का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी पार्टी द्वारा 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा को बीजेपी-जेडीयू गठबंधन के लिए खतरे की घंटी माना जा रहा है। जानकारों का मानना है कि अगर लोजपा (रामविलास) अकेले दम पर सभी सीटों पर उतरेगी, तो इससे वोटों का बंटवारा होगा और महागठबंधन को फायदा मिल सकता है। बिहार की राजनीति में चिराग पासवान का यह कदम न सिर्फ सत्ता समीकरणों को चुनौती देगा, बल्कि एनडीए की एकता को भी कसौटी पर ले आएगा।

संक्षिप्त समाचार

जिस्म लहूलुहान... : जुबां पर या हुसैन, बरेली में निकाला गया

बरेली, एजेंसी। मोहर्रम की आठवीं तारीख पर शुक्रवार को पुराना शहर के तमाम सुन्नी इमामबाड़ों से निकाल गए तख्त और ताजिये शाहदाना चौक पर एकत्र हुए, जो जुलूस के रूप में दिनभर गश्त करते हुए यहां पहुंचे। मुस्लिम शिया समुदाय ने आठ मोहर्रम का ऐतिहासिक जरीदों का जुलूस निकाला गया।

बरेली में हजरत अब्बास की शहादत को याद करते हुए शुक्रवार को मुस्लिम शिया समुदाय ने आठ मोहर्रम का ऐतिहासिक जरीदों का जुलूस निकाला गया। इसमें लहराते अलम परचम और ढ़ोल नगाड़े जहां कर्बला की जंग का एहसास कर रहे थे। कुमार टाकीज चौक पर एकत्र अजादारों ने जंजीरों, छुरियों से मातम किया। जिस्म लहूलुहान था, जुबां पर या हुसैन की सदाएं गूंज रही थीं। जुलूस दोपहर में इमामबाड़ा फतेह अली शाह काला इमामबाड़ा से निकला गया। इसकी मजलिस को खिताब करते हुए दिल्ली से आए मौलाना नेमत अली कुम्मी ने हजरत इमाम हुसैन के भाई, हजरत अब्बास की शहादत का जिक्र करते हुए मसायब बयान किए, जिसे सुनकर मोमिन रो पड़े। इसके बाद जुलूस रवाना हुआ, जो किला, जामा मस्जिद रोड, जखीरा, जसोली से मलुकपुर इमामबाड़ा फतेह निशान पहुंचा, जहां अंजुमनों ने नौहख्वानी की।

उसके बाद जुलूस अपने रास्तों बिहारीपुर, इंदिरा मार्किट होता हुआ कुमार टाकीज गली जज साहब के इमामबाड़े पहुंचा। यहां भी अंजुमनों ने नौहख्वानी की। यहां से वापसी में कुमार टाकीज चौक पर रात में अंजुमन शमशीर-ए-हैदरी और अंजुमन ऑल इंडिया गुलदस्ता-ए-हैदरी ने जंजीर और कमा का मातम किया। इससे पूरा जिस्म लहुलुहान हो गया।

चंदौली में खौफनाक वारदात, भाजपा उपाध्यक्ष के भाई की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

चंदौली, एजेंसी। चंदौली जिले में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रदीप मौर्या के भाई की गोली मार कर हत्या कर दी गई। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस छानबीन कर रही है। चंदौली शहर में शनिवार की सुबह गोलियों की गूंज से पूरा इलाका दहल उठा। यहां भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रदीप मौर्या के भाई और परचून दुकानदार संतोष मौर्या (45) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना नगर के वार्ड नंबर 7 की है, जहां आरोपी देवेंद्र जायसवाल उर्फ प्रकाश जायसवाल ने दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दिया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 9 बजे प्रकाश जायसवाल की डॉ. मौर्या के भाई संजय मौर्या से किसी बात पर कहासुनी हो गई। बहस के बाद जयप्रकाश अपने घर गया और वहां से हथियार लेकर लौटा। इसी दौरान बीच-बचाव करने आए संतोष मौर्य को गोली लग गई। गंभीर रूप से घायल संतोष को जिला संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद नगर में तनाव का माहौल हो गया। जिला अस्पताल में भारी भीड़ उमड़ पड़ी और परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के घर का माहौल गमगीन है, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एयरपोर्ट के पास बनी 15 ऊंची इमारतों की टूटेंगी ऊपरी मंजिल, सुरक्षा के लिए बनीं खतरा; हुआ सर्वे

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ एयरपोर्ट के पास बनी 15 ऊंची इमारतों की ऊपरी मंजिल तोड़ दी जाएगी। यह हिस्सा हवाई जहाज के उड़ान भरने या उतरने के समय खतना बन सकती हैं। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास नियमों के विपरीत अधिक ऊंचाई की बनी इमारतों का अवैध निर्माण तोड़ा जाएगा। ऐसी 1 5 इमारतें एलडीए, जिला प्रशासन एवं एयरपोर्ट की संयुक्त टीम ने सर्वे के बाद चिह्नित की हैं। एयरपोर्ट के 100 मीटर के दायरे को नो-कंस्ट्रक्शन जोन घोषित किया गया है, जिसमें 101 से 200 मीटर तक एक मंजिल, 201 से 300 मीटर तक दो मंजिल तक ही निर्माण किया जा सकता है, लेकिन अधिकतम 11 मीटर ऊंचाई तक ही निर्माण की अनुमति मिल सकती है।

मैं ससुराल वालों से दुखी होकर सुसाइड कर रहा हूं...

पत्नी के लिए कहे ये शब्द; वीडियो बना हलवाई ने दी जान

आगरा,एजेंसी। आगरा के थाना ट्रांस यमुना के पवन विहार में एक युवक ने खुदकुशी कर ली। उसकी पत्नी दो दिन पहले ही मायके गई थी। युवक ने खुदकुशी से पहले वीडियो भी बनाया था। इसमें उसने पत्नी और ससुरालवालों के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आगरा में हलवाई का काम करने वाले 22 वर्षीय युवक ने खुदकुशी कर ली। युवक ने जान देने से पहले वीडियो बनाया। इस वीडियो में उसने कई चौंकाने वाले आरोप ससुराल पक्ष पर लगाए हैं। साथ ही पत्नी को लेकर भी कई बातें कहीं हैं। आगरा के थाना ट्रांस यमुना के पवन विहार इलाके में हलवाई का काम

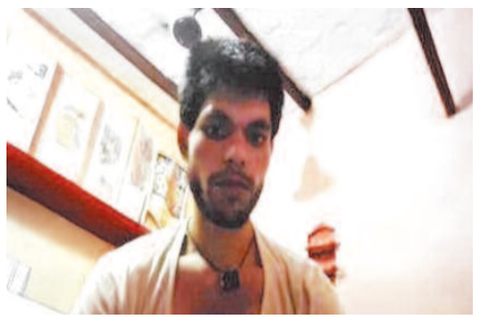

करने वाले 22 वर्षीय गौरव ने फंदा लगा लिया। शुक्रवार सुबह मृतक के जीजा के घर पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई। कुछ देर बाद ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पवन ने वीडियो में कहा है कि मैं ससुराल वालों से दुखी होकर सुसाइड कर रहा हूं... मेरी जायदाद से पत्नी को कुछ नहीं दिया जाए। पवन विहार, ट्रांस यमुना निवासी गौरव के जीजा दिनेश ने बताया कि साले के पिता की 15 साल पहले, जबकि मां की नौ साल पहले मृत्यु हो गई थी। उसकी तीन बहनें हैं। घर में इकलौता था। उसकी शादी नवंबर 2024 में गंगटोई, सादाबाद, हाथरस निवासी निशा से हुई थी। शादी के बाद से ही पति-पत्नी के बीच विवाद होता था। आरोप लगाया कि निशा आए दिन झगड़ा करती थी।

पत्नी को मायके छोड़ आया था गौरव

विवाद होने पर एक जुलाई को गौरव उसे मायके छोड़ आया था। खुद दिल्ली काम करने चला गया। बृहस्पतिवार रात को घर आया था। इसके बाद से उसका फोन नहीं लग रहा था। शुक्रवार सुबह 11 बजे वह घर पहुंचे। अंदर से दरवाजा बंद था। आवाज लगाने पर भी कोई जवाब नहीं आया। किसी तरह दरवाजा खोलकर अंदर गए। कमरे में गौरव फंदे से लटका हुआ था। उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

ऊर्जा निगमों में बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य..., पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष बोले-समय से करें प्रोन्नति

लखनऊ,एजेंसी। पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष ने कहा कि ऊर्जा निगमों में बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य होगी। निर्देशित किया कि कार्मिकों को समय से प्रोन्नत करें। खाली पदों पर जल्द भर्ती करें। पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी निगमों में बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य किया जाए। खाली पदों को भरा जाए और लंबित पदोन्नति जल्द से जल्द की जाए। गोयल शुक्रवार को विभाग की समीक्षा कर रहे थे। डॉ. गोयल ने निर्देश दिया कि प्रोन्नति से भरे जाने वाले पदों को शीघ्र भरा जाए। ताकि, योग्य अधिकारियों को कार्य का अवसर प्राप्त हो तथा उनका मानसिक उत्पीड़न न हो। कार्मिकों की वार्षिक गोपनीय आख्या समय से पूरी करके भेजी जाए। इनकी अनुशासनात्मक कार्यवाही चल रही है, उसे भी शीघ्र निर्णय लेकर समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि अधीक्षण अभियंताओं के पद जहां पर रिक्त हैं और आवश्यकता है, वहां सीनियर एवं योग्य अधिशासी अभियंताओं को चार्ज दिया जाए। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पद खाली न रहें। उन्होंने खराब प्रदर्शन वाले लाइन मैन को बर्खास्त करने का भी निर्देश दिया है। बकाया में कनेक्शन काटने से पहले चेतावनी दें निर्देश दिया कि जो आउटसोर्स कंपनियां शत-प्रतिशत अपने संविदा कर्मियों को बायोमेट्रिक उपस्थिति के लिये एप पर पंजीयन नहीं कराती हैं, उन्हें कमीशन का भुगतान न किया जाए। जिन उपभोक्ताओं का भुगतान का इतिहास सही है, उनका बकाया में कनेक्शन काटने से पहले चेतावनी दी जाए।

पत्नी की दरिंदगी...प्रेमी संग आपत्तिजनक हालत में थी, पति ने दिखाई दरियादिली, तो सजा में मिली खौफनाक मौत

मथुरा, ,एजेंसी। पति ने उसे प्रेमी संग आपत्तिजनक हालत में देख लिया। इसके बाद पति ने उसका घर से निकलना बंद कर दिया। इस वजह से नाराज होकर पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी।

मथुरा के कोसीकलां में अवैध संबंधों में रोड़ा बनने पर पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर पति गोविंद को मौत के घाट उतार दिया था। ऐंच गांव में हुए हत्याकांड का शुक्रवार को पुलिस ने खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी और प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में प्रयोग किया गया बांक, खून से सनी टी-शर्ट, मोबाइल समेत अहम सबूत बरामद किए हैं।

पत्नी ने दी लोकेशन, तब प्रेमी ने की हत्या: कोसीकलां के गांव ऐंच में प्रेम संबंधों में बाधक बने पति की हत्या कराने में पत्नी ने अहम भूमिका अदा की। पुलिस जांच में इसका खुलासा हुआ है। साथ ही गिरफ्तारी के बाद हत्यारोपी प्रेमी और मृतक की पत्नी ने इसकी पुष्टि की है।

गोविंद शराब के नशे में निकला था घर से: एसपी देहात सुरेश चंद रावत ने बताया कि मंगलवार की रात को गोविंद (27) घर से शराब के नशे में निकला था। इसकी जानकारी उसकी गोविंद की पत्नी कविता ने गुंजार उर्फ गुलजार उर्फ भोले को दी। कविता ने ही बताया कि गोविंद शराब के नशे में धुत्त है। जब तक यह जिंदा रहेगा तब तक हम दोनों नहीं मिल सकते हैं। यदि चाहते हो कि आगे मुलाकात होती रहे तो गोविंद को आज ही रास्ते से हटा दो। यह जानकारी मिलने के बाद गुंजार बांक लेकर घर से निकला और रास्ते में सुनसान स्थान देखकर उसने गोविंद के गले पर बांक से प्रहार कर उसकी हत्या कर दी।

देवर की शादी से नाराज थी वो...

दुल्हन के आने से पहले भाभी ने उठाया ऐसा कदम, मच गई चीत्कार

मैनपुरी,एजेंसी। देवर की बारात लौटने से पहले घर से भाभी की अर्थी उठी। भाभी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मैनपुरी के किशनी थाना क्षेत्र की कुसमरा चौकी के एक गांव में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से शादी वाले घर में मातम पसर गया। शुक्रवार शाम महिला के देवर की बरात गई थी। शनिवार सुबह घर में दुल्हन के स्वागत की तैयारी चल रही थी। इससे पहले घर के दूसरे माले पर महिला का शव फंदे पर लटका मिला। महिला के मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाया है। चर्चा ये भी है कि महिला के प्रेम प्रसंग उसके देवर के साथ थे। वह देवर की शादी से नाखुश थी। पुलिस को गांव वालों से मिली जानकारी के अनुसार परिवार में खुशी का माहौल था। महिला के देवर की बरात कासगंज गई हुई थी। कुछ बराती रात में ही लौट आए थे। घर में नई बहू के स्वागत की तैयारी चल रही थी। ससुराल वालों का कहना है कि महिला ने सुबह करीब 6 बजे, जब घर के दूसरे माले पर कोई नहीं था, उसी समय फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने शव लटका देखा पुलिस को सूचना दी। थाना किशनी प्रभारी ललित भाटी ने घटनास्थल का मुआयना चौकी इंचार्ज सुग्रीव सिंह के साथ किया। मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

बीबीडी ग्रुप के संचालकों की 100 करोड़ की बेनामी संपत्तियां जब्त, अधिकतर दलित कर्मियों के नाम खरीदी गई थीं

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में बीबीडी ग्रुप के संचालकों की 100 करोड़ की बेनामी संपत्तियां जब्त कर ली गईं। इनमें अधिकतर दलित कर्मियों के नाम खरीदी गई थीं। आयकर विभाग की बेनामी संपत्ति निषेध इकाई ने 20 बेशकीमती भूखंडों को जब्त किया है। इनमें कई प्रोजेक्ट निर्माणाधीन हैं। राजधानी लखनऊ स्थित बाबू बनारसी दास ग्रुप (बीबीडी) की करीब 100 करोड़ रुपये कीमत की बेनामी संपत्तियों को आयकर विभाग की बेनामी संपत्ति निषेध इकाई ने जब्त कर लिया है। ये बेशकीमती संपत्तियां चिनहट स्थित अयोध्या रोड पर उत्तरधौना, जुग्गौर, 13 खास, सरायशेख और सेमरा ग्राम में वर्ष 2005 से 2015 के बीच खरीदे गए भूखंड हैं। ये सभी बीबीडी यूनिवर्सिटी के आसपास स्थित हैं, जहां कई प्रोजेक्ट का कार्य जारी है। जल्द आयकर विभाग बीबीडी ग्रुप की कई अन्य बेनामी संपत्तियों को भी जब्त करने की तैयारी में है। आयकर विभाग की जांच में सामने आया है कि इन संपत्तियों के असली लाभार्थी पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अखिलेश दास की पत्नी अलका दास, उनके बेटे विराज सागर दास, मेसर्स विराज इंफ्राटाउन प्राइवेट लिमिटेड और हाईटेक प्रोटेक्शन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हैं।

बिना लिखित परीक्षा यूपी में सरकारी नौकरी का मौका! GATE स्कोर से होगा चयन; नहीं देना होगा कोई

लखनऊ ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश स्टेट ब्रिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने असिस्टेंट इंजीनियर के पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया है। इस भर्ती में उम्मीदवारों का चयन गेट के स्कोर के आधार पर किया जाएगा, और किसी भी तरह की लिखित परीक्षा नहीं होगी। खास बात यह है कि आवेदन के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। स्टेट ब्रिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने भर्ती वर्ष 2025 के लिए असिस्टेंट इंजीनियर के कुल 57 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 7 जुलाई 2025 से शुरू होगी और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 7 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है। जारी भर्ती विज्ञापन के अनुसार, कुल 57 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। इनमें से 50 पद सहायक अभियंता (सिविल) और 7 पद सहायक अभियंता (मैकेनिकल) के लिए आरक्षित हैं।

शैक्षणिक योग्यता: सहायक अभियंता (सिविल) पद के लिए उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से सिविल इंजीनियरिंग में पूर्णकालिक स्नातक डिग्री होनी चाहिए। इसी तरह, सहायक अभियंता (मैकेनिकल) पद के लिए उम्मीदवार के पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पूर्णकालिक डिग्री अनिवार्य है।

आयु सीमा व आरक्षण संबंधी छूट: इस भर्ती में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष और अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष निर्धारित की गई है। आयु की गणना संबंधित अधिसूचना में दिए गए मानदंडों के अनुसार की जाएगी। उत्तर प्रदेश के अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

वहीं, विकलांग उम्मीदवारों को 15 वर्ष की छूट, तथा भूतपूर्व सैनिकों को 3 वर्ष की छूट के साथ सेना में की गई सेवा की अवधि का लाभ भी मिलेगा।

गेट 2025 अनिवार्यता: इन पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को गेट 2025 परीक्षा में उपस्थित होना और उसे उत्तीर्ण करना आवश्यक है। उम्मीदवारों के पास गेट 2025 का वैध स्कोरकार्ड होना चाहिए, जो संबंधित विषयों (सिविल इंजीनियरिंग -सीई या मैकेनिकल इंजीनियरिंग - एमई से प्राप्त किया गया हो। जो अभ्यर्थी गेट के किसी अन्य पेपर में शामिल हुए हैं, वे इन पदों के लिए पात्र नहीं माने जाएंगे।

रक्षामंत्री के जन्मदिन की तैयारी शुरू, हनुमान सेतु में होगा सुंदरकांड

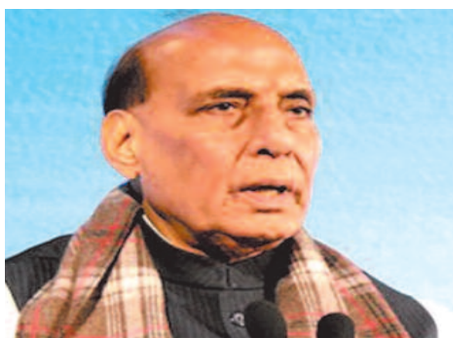

लखनऊ, एजेंसी।। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का 75वां जन्मदिन 10 जुलाई को धूमधाम से मनाया जाएगा। महानगर भाजपा ने इसके लिए तैयारी की है। शुक्रवार को पार्टी कार्यालय पर बैठक की गई। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि मंडल स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम होंगे, जिसमें हनुमान सेतु पार्किंग स्थल पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मंदिर में सुंदरकांड का पाठ कर रक्षामंत्री के दीर्घायु की प्रार्थना की जाएगी। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि हनुमान मंदिर पार्किंग स्थल पर भजन संध्या होगी। कार्यक्रम में 75 किलो के लड्डू का भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया जाएगा। महिला मोर्चा की ओर से मंदिरों में 75 दीप जलाकर जन्मोत्सव मनाया जाएगा। युवा मोर्चा रक्तदान और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करेगा। अल्पसंख्यक मोर्चा दरगाह पर चादर चढ़ाकर लड्डू वितरित करेगा। महामंत्री राम अवतार कनौजिया, टिंकू सोनकर, मानवेंद्र सिंह, मनोज गुप्ता, प्रमोद सिंह, अशोक तिवारी, घनश्याम अग्रवाल मौजूद रहे।

आठ जिलों में बनेंगे 50 बेड के आयुष अस्पताल, 32 सरकारी आयुष औषधालय भी बनेंगे; 65181 लाख की कार्ययोजना मंजूर

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के आठ जिलों में 50 बेड के आयुष अस्पताल बनेंगे। 32 सरकारी आयुष औषधालय भी बनाए जाएंगे। इसके लिए नेशनल आयुष मिशन की 11वीं शासी निकाय की बैठक में 65181 लाख की कार्ययोजना मंजूर हो गई है। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर, चित्रकूट, भदोही, महाराजगंज, फिरोजाबाद, सीतापुर, बहराइच और चंदौली में 50 बेड के एकीकृत आयुष अस्पताल बनेंगे। शुक्रवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई नेशनल आयुष मिशन की 11वीं शासी निकाय की बैठक में इसे मंजूरी दे दी गई है। बैठक में कुल 65181.20 लाख रुपये की राज्य वार्षिक कार्ययोजना 2025-26 का भी अनुमोदन किया गया।

बैठक में आयुष सेवाओं के लिए 51970.27 लाख रुपये, आयुष शिक्षा संस्थानों के लिए 8617.10 लाख रुपये, फ्लैक्सी पूल के लिए 3092.43 लाख रुपये और व्यवस्थापन लागत के लिए 1501.40 लाख रुपये की कार्ययोजना को मंजूरी दी गई। आयुष सेवाओं में 19448 लाख रुपये नए प्रस्तावों, 21478.28 लाख रुपये आवर्ती व्यय (आयुष दवाइयां, मानव संसाधन आदि), 11043.98 लाख रुपये पूर्व में स्वीकृत परियोजनाओं की शेष राशि (अनावर्ती) पर व्यय किए जाएंगे।

हर औषधालय के लिए 30 लाख रुपये निर्धारित

नए प्रस्ताव में आठ जिलों में 50 बेड के एकीकृत आयुष अस्पताल के लिए हर अस्पताल को गैर आवर्ती राशि 15 करोड़ तय की गई है। आकांक्षी जिलों में 32 सरकारी आयुष औषधालय बनेंगे। हर औषधालय के लिए गैर-आवर्ती राशि 30 लाख रुपये निर्धारित की गई है।

बैठक में बहराइच, आजमगढ़ और मिर्जापुर में तीस बेड वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों के लिए 10.50 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। फ्लैक्सी पूल में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए लखनऊ में छह पंचकर्म और योग केंद्र स्थापित किए जाएंगे। हर केंद्र के लिए 31.09 लाख रुपये निर्धारित की गई है।

ई-संजीवनी के तहत टेलीमेडिसिन हब स्थापित किए जाएंगे

लखनऊ के स्टेट यूनानी और होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज तथा गोरखपुर के आयुष विश्वविद्यालय में ई-संजीवनी के तहत टेलीमेडिसिन हब स्थापित किए जाएंगे। एक टेलीमेडिसिन हब की स्थापना पर 10.50 लाख रुपये व्यय किया जाएगा। आयुष स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए दो करोड़ की लागत से आयुष सूचना सॉफ्टवेयर विकसित और संचालित किया जाएगा।

गीतांजलि काव्य प्रसार मंच के वार्षिक आयोजन में सजी कविताओं की माला, रचनाकारों को मिला सम्मान

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा : साहित्य की सुगंध जब शब्दों के पुष्पों में बसती है, तो साहित्यकारों का मनपसंद मंच बनता है गीतांजलि काव्य प्रसार मंच। रविवार को नोएडा के सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में मंच द्वारा आयोजित नीरांजलि वार्षिक पत्रिका के लोकार्पण समारोह ने साहित्यिक वातावरण को शब्दों की मधुर सरगम से भर दिया।

स्मृतियों से संजोया गया नीरांजलि का पहला प्रिंट संस्करण

मंच की अध्यक्ष व पत्रिका की संपादक डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा 'गीत' ने जानकारी दी कि नीरांजलि केवल एक साहित्यिक पत्रिका नहीं, बल्कि संस्थापक श्रद्धेय नीरज अरोड़ा की साहित्य-साधना और स्मृति को समर्पित श्रद्धांजलि है। वर्ष भर डिजिटल रूप में प्रकाशित होती रही इस पत्रिका का यह प्रथम प्रिंट संस्करण है, जिसकी शुरूआत 1 जुलाई 2023 को नीरज कुंज ई-पत्रिका के रूप में हुई थी।

मंच पर सजी साहित्यिक हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कवि व लेखक डॉ. प्रेम भारद्वाज 'ज्ञानभिक्षु' ने की, जबकि मंच पर मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्तर की चर्चित साहित्यकारा डॉ. सविता चड्ढा मौजूद रहीं। कार्यक्रम की विशेष शोभा बने वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर लेखक व पत्रकार डॉ. शंभू पंवार, जो अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उल्लेखनीय उपस्थिति में डॉ. सूक्ष्मलता

महाजन, डॉ. ओमप्रकाश प्रजापति, डॉ. वीणा मित्तल, डॉ. पुष्पा जोशी, डॉ. नीरजा मेहता व डॉ. सुमन मोहिनी जैसे वरिष्ठ रचनाकार विशिष्ट अतिथियों की भूमिका में मंचासीन रहे। संचालन की बागडोर कुशलता से डॉ. इला जायसवाल और डॉ. कामना मिश्रा ने संभाली।

70 से अधिक रचनाकारों को नीरांजलि साहित्य सम्मान 2025 से नवाजा गया

मंच के सचिव देवेंद्र प्रकाश शर्मा ने बताया कि नीरांजलि पत्रिका में रचनात्मक योगदान देने वाले 70 से अधिक साहित्यकारों को उनके रचना-सामर्थ्य, सृजनशीलता और भाषा-संस्कृति के प्रति योगदान के लिए नीरांजलि साहित्य सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। उन्होंने नीरज अरोड़ा को मंच की प्रेरणा बताते हुए कहा कि उनकी स्मृतियों को सजीव बनाए रखने के लिए गीतांजलि मंच पूर्ण रूप से संकल्पित है।

पिता की स्मृति में भाविका अरोड़ा का विशेष संबोधन

समारोह के दौरान नीरज अरोड़ा जी की पुत्री भाविका अरोड़ा ने अपने पिता की साहित्यिक यात्रा, व्यक्तित्व और उनके संस्कारों को भावभीने शब्दों में साझा किया, जिसने उपस्थित जनसमूह की आंखें नम कर दीं। समापन में सचिव देवेंद्र प्रकाश शर्मा ने सभी अतिथियों, सम्मानित रचनाकारों और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया और यह विश्वास जताया कि "नीरांजलि" साहित्यिक जगत में एक प्रेरणास्रोत बनकर अपनी चमक फैलाती रहेगी।

नोएडा में मुठभेड़ के दौरान टप्पेबाज के पैर में लगी गोली, 10 लाख की ज्वेलरी बरामद

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा । नोएडा फेस-3 थाना पुलिस ने एक अंतरराज्यीय टप्पेबाज को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। सेक्टर-61 कट पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक बाइक सवार को रुकने का इशारा किया, लेकिन आरोपी भागने लगा। पीछा करने पर उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे मौके पर ही दबोच लिया गया। गिरफ्तार बदमाश की पहचान शिवा उर्फ शिव कुमार उर्फ लखविंदर बावरिया के रूप में हुई है, जो पंजाब के लुधियाना

का रहने वाला है और फिलहाल दिल्ली के कृष्णा गंज में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से 10 लाख रुपये कीमत की ज्वेलरी, एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और एक चोरी की स्प्लेंडर बाइक बरामद की है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी दिल्ली-एनसीआर के अलावा गोवा, जयपुर, मसूरी, मनाली और हरिद्वार में भी वारदातें कर चुका है। वह हवाई जहाज से सफर करता और बड़े-बड़े होटलों में ठहरकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। गहनों को बेचने के लिए वह सीधे नामी ज्वैलर्स से संपर्क करता था। पुलिस अब उसके अन्य साथियों और पुराने अपराधों की कुंडली खंगाल रही है।

सपा नोएडा महानगर की बैठक में जनसंपर्क अभियान की गूंज बूथ स्तर पर संगठन सशक्तिकरण को मिली रफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा : समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर इकाई द्वारा रविवार को एक प्रभावशाली मासिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संगठनात्मक मजबूती और बूथ सत्यापन अभियान की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। यह बैठक महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में तथा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष वीरपाल प्रधान के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान ने किया। बैठक में डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि समाजवादी पार्टी का जनसंपर्क अभियान नोएडा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पार्टी कार्यकर्ता हर बूथ पर सक्रियता से संपर्क कर रहे हैं और बड़ी संख्या में लोग समाजवादी विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि "राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की सोच और नीतियां युवाओं व आम नागरिकों के दिल में उम्मीद जगा रही हैं। प्रदेश सचिव सुनील चौधरी और जयकरण चौधरी ने केंद्र और राज्य सरकार की कार्यशैली पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी की मार से आमजन हलकान है, लेकिन सरकार इन मुद्दों से पूरी तरह मुंह मोड़े हुए है। उन्होंने भाजपा की नीतियों को पूंजीपतियों के पक्ष में बताते हुए कहा कि यह सरकार सिर्फ बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही है। महासचिव विकास यादव ने कहा कि महंगाई बेलगाम हो चुकी है और रोजगार के अवसर लगातार कम हो रहे हैं, जिससे युवाओं में व्यापक असंतोष है। मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव और मनोज चौहान ने भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के राज में गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की समस्याएं लगातार बढ़ी हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें महासचिव विकास यादव, भरत प्रधान, महकार तंवर, विवेक यादव, मुकेश यादव, टीटू यादव, जयवीर बाबा, योगेश भाटी, बबली शर्मा, राम सहेली, नीरज, भानु प्रताप, लोकेश यादव, बब्बू यादव, सतवीर यादव, नकुल चौहान, वीर बहादुर, रंजीत पटेल, कृपा शंकर यादव, राकेश यादव, नीतीश चौहान, ऋषभ यादव, शिवकुमार यादव, रेणुका मेथी, विश्वास आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। बैठक का समापन आगामी बूथ प्रबंधन कार्ययोजना और संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने की रणनीति के साथ हुआ। पार्टी ने संकल्प लिया कि आने वाले चुनावों में संगठन बूथ स्तर से ही निर्णायक भूमिका निभाएगा।

डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रनिष्ठ संकल्प को किया नमन, गाजियाबाद में मनाई गई 125वीं जयंती

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गाजियाबाद : एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे देश की राजनीतिक चेतना में यह गर्जना करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर मेरा युवा भारत, गाजियाबाद ने यादगार आयोजन किया। लोनी के विकास पब्लिक स्कूल गिरी मार्केट में आयोजित इस कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा नेहरू महिला मंडल की संयुक्त सहभागिता रही। कार्यक्रम में उपनिदेशक देवेंद्र कुमार ने डॉ. मुखर्जी के जीवनवृत और राष्ट्र के लिए उनके संघर्षों को याद करते हुए बताया कि वे कोलकाता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति, कुशल अधिवक्ता और प्रखर राष्ट्रवादी नेता रहे। उन्होंने 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की, और अनुच्छेद 370 के विरोध में अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए। नेहरू महिला मंडल की अध्यक्ष अनीता रोहिल्ला ने कहा कि यह ऐतिहासिक तथ्य है कि एक समय भारतीयों को भी परमिट लेकर जम्मू-कश्मीर जाना पड़ता था। डॉ. मुखर्जी की शहादत ने वह व्यवस्था तोड़ी और आज उनके सपनों का भारत साकार हो चुका है। मुस्कान, रोशनी कटारिया और नंदिनी सहित कई युवाओं ने डॉ. मुखर्जी के जीवनवृत और उनके बलिदान पर भावपूर्ण विचार रखे। आयोजन के अंत में अतिथियों को स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। करीब 75 युवाओं की रही सक्रिय भागीदारी, कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री कृष्णकांत और सन्नी ने भी अहम भूमिका निभाई।

रबूपुरा में ताजिया जुलूस ने दिलों को किया रोशन, कर्बला की शहादत को अकीदत से किया याद

फ्यूचर लाइन टाईम्स

ग्रेटर नोएडा : कस्बे में रविवार का दिन अकीदत, गम और यकजहती का पैगाम लेकर आया, जब मोहर्रम के मौके पर ताजिया जुलूस निकाला गया। मोहल्ला शहीद नगर से शुरू होकर यह जुलूस पूरे कस्बे में होते हुए पब्लिक इंटर कॉलेज मैदान तक पहुंचा, जहां ताजियों को पूरे सम्मान और रस्म के साथ दफन किया गया। सुबह से ही माहौल गमगीन और श्रद्धामय हो गया था। मुस्लिम समाज के लोग हाथों में झंडे और दिलों में हुसैन की मोहब्बत लिए शहीद नगर पहुंचने लगे। दोपहर तक तीन ताजिए मैदान में लाए गए, जिनके साथ चल रही मातमी धुनों ने फिजा को दर्द और भक्ति से भर दिया। जुलूस के दौरान युवाओं ने लाठी-डंडों से ऐसे करतब दिखाए जो देखने वालों को हैरत और श्रद्धा दोनों से भर गए। मातम करने वालों की आवाजें 'या हुसैन' के नारों में बदलती रहीं और हर कदम पर कर्बला की वो शहादत जहन में ताजा होती रही, जो इंसाफ, हक और सच्चाई के लिए दी गई थी। शाम करीब 6 बजे यह मातमी कारवां मुख्य बाजार से गुजरता हुआ पब्लिक इंटर कॉलेज के सामने स्थित मैदान में पहुंचा, जहां ताजियों को जमीन के सुपुर्द किया गया। इस पूरे आयोजन में जाकिर, शाहिद, रहीमुद्दीन, रसूल अहमद, जहीर खान, खलीफा जब्बार खान, कबीर खान, नसीम खान समेत अनेक समाजसेवी और समुदाय के लोग मौजूद रहे। इस शांतिपूर्ण और भावनात्मक आयोजन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कर्बला केवल एक इतिहास नहीं, बल्कि इंसानियत की सबसे ऊंची मिसाल है, जिसे हर दिल महसूस करता है।

इमामे हुसैन की शहादत पर अश्कों का कारवां, नोएडा की गलियों से उठा मुहर्रम का मातमी सैलाब

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा : रविवार को नोएडा की सरजमीं काले लिबासों, मातमी नारों और आंसुओं की रवानी से भर गई, जब मोहर्रम के मौके पर जुलूसों का कारवां शहर की सड़कों से गुजरता हुआ कर्बला की यादों को फिर से ज़िंदा कर गया। सेक्टर 8 की जामा मस्जिद से उठे मातम के कारवां ने सेक्टर 9, बांस बल्ली मार्केट, बैंक ऑफ इंडिया, स्टेडियम चौराहा, शिमला पार्क, स्वानी फर्नीचर, झुंडपुरा, कोहली धर्म कांटा, पानी टंकी होते हुए हरोला के सेक्टर 4 पार्क तक अपना सफर तय किया। इस दौरान हर रास्ते, हर मोड़ पर अलम उठते रहे, ताज़िए झूमते रहे और दिल इमामे हुसैन की कुर्बानी पर रोते रहे। शहर के कोने-कोने से आए अखाड़ों ने करबतों और ताकत के प्रदर्शन से माहौल में शौर्य की मिसाल कायम की। ताज़ियों की सजावट और मुनादी करते ढोलों की आवाज से गम और श्रद्धा की एक अद्भुत छवि बन गई। जुलूस में शामिल लोगों ने न केवल मातम किया, बल्कि हुसैन की उस महान लड़ाई को याद किया जो अन्याय के खिलाफ थी। इस मौके पर नोएडा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष शाहबुद्दीन ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी किसी एक मजहब की नहीं, बल्कि इंसानियत की जीत है। मुहर्रम हमें ये याद दिलाने आता है कि जब बात हक और सच की हो, तो झुकना नहीं, चाहे जान ही क्यों न चली जाए। सभी अखाड़ों के खलीफाओं ने नोएडा पुलिस और प्रशासन की व्यवस्था की खुलकर तारीफ की और कहा कि शांति, सुरक्षा और सहयोग का जो जज्बा इस बार दिखा, वह तारीफ के काबिल है। पुलिस-प्रशासन के बिना इतना अनुशासित आयोजन मुमकिन नहीं था।

मुहर्रम का ये जुलूस सिर्फ एक धार्मिक परंपरा नहीं रहा, बल्कि एक पैगाम बनकर उभरा कि अन्याय के खिलाफ खड़ा होना ही असली इबादत है।

ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली से किसान खफा, होगी महापंचायत

फ्यूचर लाइन टाईम्स

ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण पर भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व 10 जुलाई को होने वाले किसान महापड़ाव की तैयारियों के लिए किसानों ने गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर जनसमर्थन किसानों से ले रहें है। रविवार को भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कार्यकर्ताओ के साथ डेरीन स्कनर, सादोपुर, सदुल्लापुर गांवों में नुक्कड सभा की जिनमें किसानों ने भारी संख्या में किसान महापड़ाव मै पहुँचने का आश्वासन दिया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि जिन गांवों में किसानों से जनसंपर्क कर रहे है।वहीं के किसानों में प्राधिकरण के खिलाफ आक्रोश दिखाई दिया और किसान अपने आपको प्राधिकरण द्वारा ठगा महसूस कर रहे है।राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के खिलाफ किसानों का आक्रोश वाजिब है किसानों के साथ

किए वादे हवा-हवाई हो गये किसानों से उनकी किसानी छीन ली और अब उनके आशियानों को छीनने का काम कर रहे है।पुस्तैनी जमीन पर बने मकानों को अतिक्रमण बताकर तोडफोड की कार्यवाई करते है।जैसे किसानों ने सरकारी जमीन या रोड पर ठेली लगाकर अतिक्रमण कर लिया हो। राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज आगे किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अब लडाई आर पार की है किसी के मकान को अतिक्रमण के नाम पर नही तोडने देगें।प्राधिकरण बीस-बीस वर्ष पहले गांवों को अधिसूचित क्षेत्र घोषित कर देता है जिससे किसान वहाँ अपने परिवार के लिए कोई मकान दुकान ना बना पाये जब किसानों के परिवार बढे है तो वह तो अपनी पुस्तैनी जमीन पर परिवार रहने के लिए मकान दुकान बनाने के लिए मजबूर है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने आगे कहा कि गावों को बीस-बीस साल पहले अधिसूचित क्षेत्र घोषित करने का मतलब है कि प्राधिकरण की नीति और नियत साफ नही है प्राधिकरण उस जमीनों से किसानों को बीस साल पहले ही बेदखल कर देता है ना कोई मुआवजा ना कोई पूछताछ बस कर दिये पुस्तैनी जमीन से बेदखल और दे दो पूजिपतियों को उजाड फैंको यहाँ के पुस्तैनी किसानों को अब यह रवैए बन्द करने होगें। यदि प्राधिकरण को किसी सरकारी संस्थान के लिए जमीन अधिग्रहण करनी होगी तो किसानों से समझौते पर तत्काल अधिग्रहण करनी होगी 10 जुलाई से किसान महापड़ाव जब तक जारी रहेगा जब तक किसानों की हर समस्याओ का समाधान न हो जायेगा। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय संगठन मन्त्री योगेन्द्र भाटी, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी, यूथ प्रदेश अध्यक्ष विपिन खारी, प्रदेश महासचिव दिलदार अंसारी, प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष हरेन्द्र कुलेसरा,प्रदेश सचिव यामीन अंसारी,मेरठ मंडल उपाध्यक्ष रवीन्द्र भाटी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष सोविदंर भाटी, जिला संगठन मन्त्री ब्रह्मचंद्र बैरागी, जिला संगठन मन्त्री राजू भाटी, जिला उपाध्यक्ष अनिल भाटी, विजय पाल खोदना, नीरज शर्मा, रवी भाटी, वीरपाल भाटी, सचिन ठाकुर, बनी भडाना, रामनिवास पहलवान, बृहम सिंह, मुकेश भाटी, सूबेदार विरेन्द्र सिंह,आदि सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

गाली का विरोध बना काल, युवकों पर लाठियों और कड़े से बरसाए वार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा : फलैदा गांव में रविवार सुबह मंदिर दर्शन से लौट रहे दो युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना उस वक्त हुई जब एक युवक ने रास्ते में हो रही गाली-गलौच का विरोध किया। विरोध दर्ज होते ही चार युवकों ने लाठी, डंडों और लोहे के कड़े से हमला बोल दिया। हमले में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने चारों हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की तह तक पहुंचने की जांच शुरू कर दी है। रविवार की सुबह गांव फलैदा निवासी राधे अपने मित्र बबली के साथ शनि देव मंदिर से दर्शन कर घर लौट रहा था। रास्ते में अचानक गांव के ही नितिन, कालू, प्रशांत और राकेश ने उन्हें घेर लिया और राधे को बिना किसी वजह के अपशब्द कहने लगे। जब राधे ने गाली देने से मना किया तो चारों ने उस पर टूट पड़ते हुए लाठियों और लोहे के कड़े से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में राधे गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी दौरान उसके दोस्त बबली ने बीच-बचाव की कोशिश की तो हमलावरों ने उसे भी नहीं छोड़ा और उसकी भी पिटाई कर दी। आरोप है कि आरोपियों ने दोनों को जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गए। परिजनों ने दोनों घायलों को आनन-फानन में क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की जानकारी मिलने के बाद रबूपुरा पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने नितिन, कालू, प्रशांत और राकेश के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस ने कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विचार-क्रांति पर भाजपा का मंडल महायज्ञ, 11 जगहों पर गूंजा राष्ट्र पहले का मंत्र

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा : गौतमबुद्धनगर जिले में भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रनिमार्ता, शिक्षा शास्त्री और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती को विचार-विमर्श और संकल्पनाओं से परिपूर्ण समारोह में बदल दिया। जिले के 11 मंडलों सूरजपुर, दनकौर, कासना, बादलपुर, दादरी, दादरी देहात, जारचा, जेवर, रबूपुरा, ग्रेटर नोएडा और बिसरख में विचार संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं, जहाँ भाजपा के कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने उनके राष्ट्रवादी दर्शन और बलिदान को श्रद्धा सहित स्मरण किया। सूरजपुर मंडल के साकीपुर गांव में आयोजित संगोष्ठी में जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कोई व्यक्ति नहीं, एक विचार धारा हैं जिन्होंने 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान' को अस्वीकार करते हुए प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कोलकाता में हुआ था और वे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे शिक्षाविद, विचारक, उद्योग मंत्री और अंत में संघर्ष का प्रतीक। अभिषेक शर्मा ने बताया कि जब राष्ट्र की अखंडता पर प्रश्नचिह्न खड़े हुए, तब उन्होंने मंत्री पद त्यागकर संघर्ष का मार्ग चुना और 1953 में बिना परमिट कश्मीर प्रवेश कर गिरफ्तारी दी, जहाँ षड्यंत्र के तहत उनकी हत्या कर दी गई। लेकिन उनकी भविष्य दृष्टि और बलिदान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 5 अगस्त 2019 को साकार करते हुए अनुच्छेद 370 को इतिहास बना दिया। इस अवसर पर मंच पर मौजूद रहे जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज, धर्मेन्द्र कोरी, वीरेंद्र भाटी, साथ ही मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, और सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें स्मरण किया। अन्य प्रमुख उपस्थितजन में मनोज भाटी, श्यामवीर भाटी, मनोज प्रधान, अरुण प्रधान, अंकित भाटी, नवीन भाटी, शिवम मावी, शेखर नागर, अर्पणा सिंह आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे। भाजपा द्वारा यह आयोजन केवल जयंती का उत्सव नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी को राष्ट्रवाद की नींव से जोड़ने का प्रयास था। आज जब देश एकता की राह पर अग्रसर है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विचार पुनः जीवित होकर प्रत्येक कार्यकर्ता के दिल में धड़कता नजर आया।

प्राधिकरण कर्मचारी संगठन ने किया औद्योगिक विकास मंत्री का स्वागत

फ्यूचर लाइन टाईम्स

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' के आगमन पर प्राधिकरण कर्मचारी संगठन ने उनका स्वागत किया। संगठन के अध्यक्ष सोनू भडाना और वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविन्द्र कसाना ने मंत्री श्री नंदी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और प्राधिकरण में कार्यरत कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया।इस दौरान अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने मंत्री श्री नंदी के समक्ष प्रमुख रूप से कर्मचारियों के वेतन विसंगति, समय पर पदोन्नति, कार्यस्थल पर मूलभूत सुविधाओं की कमी, आवास योजनाओं में कर्मचारियों की उपेक्षा, स्थानांतरण नीति की पारदर्शिता जैसे मुद्दे उठाए। उन्होंने यह भी कहा कि वर्षों से कई कर्मचारी समान पद पर कार्यरत हैं, लेकिन योग्यता और अनुभव के बावजूद उन्हें पदोन्नति नहीं दी जा रही है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। संगठन की ओर से यह भी मांग रखी गई कि कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्राधिकरण स्तर पर एक स्थायी कर्मचारी grievances cell गठित किया जाए, ताकि किसी भी मुद्दे को त्वरित रूप से सुलझाया जा सके। रविन्द्र कसाना ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि तकनीकी और प्रशासनिक कर्मचारियों की भूमिका

प्राधिकरण के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, लेकिन उन्हें अपेक्षित सम्मान और सुविधा नहीं मिल रही है।मंत्री नंद गोपाल नंदी ने संगठन की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि कर्मचारियों से जुड़ी सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर शासन स्तर पर उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था की प्रगति उसके कर्मचारियों की संतुष्टि और कुशलता पर निर्भर करती है, इसलिए उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना अत्यंत आवश्यक है। कर्मचारी संगठन ने मंत्री श्री नंदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनकी पहल से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में कर्मचारियों के हित में सकारात्मक बदलाव जल्द ही देखने को मिलेंगे।

एमआईपी बाइक घोटाले में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा : नोएडा पुलिस ने एमआईपी बाइक घोटाले में बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने 5 साल से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी राजेंद्र सिंह को सेक्टर-59 मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया है। राजेंद्र मैपल इनोवेटिव प्रमोटिव कंपनी का प्रमोटर था। वह और उसके साथी लोगों को आकर्षक बाइक स्कीम का लालच देते थे। स्कीम के तहत 62,100 रुपये जमा करने पर एक साल तक हर महीने 10,100 रुपये देने का वादा करते थे। साथ ही तुरंत 5,000 रुपये कमीशन भी देते थे। कंपनी ने इस तरह से कई लोगों को अपना शिकार बनाया। आरोपी के खातों में लाखों रुपये जमा हुए।

लिथियम की होड़ में भारत-चीन आमने-सामने, अर्जेंटीना बना रणनीतिक रणभूमि

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा दोनों देशों के आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही इस यात्रा का एक और बड़ा रणनीतिक असर होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में लैटिन अमेरिका और एशिया के देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते गहराते जा रहे हैं। अर्जेंटीना और चीन के संबंध इसी उभरते भू-राजनीतिक समीकरण का हिस्सा हैं। बीते एक दशक में अर्जेंटीना ने चीन के साथ अपने व्यापारिक, निवेश, और कूटनीतिक संबंधों को अत्यंत मजबूत किया है। यह संबंध न केवल क्षेत्रीय रणनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि भारत के लिए भी कई अवसर और चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है। साथ ही चीन ने अर्जेंटीना में जलविद्युत परियोजनाओं और परमाणु संयंत्रों में भारी निवेश किया है। यही नहीं, अर्जेंटीना वर्ष 2022 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव BRI में शामिल हुआ, जिससे चीन की लैटिन अमेरिका में रणनीतिक उपस्थिति और गहराई। एक खास बात और है कि अर्जेंटीना 'लिथियम ट्रायंगल' का हिस्सा है और चीन ने वहां की कई लिथियम परियोजनाओं में निवेश कर रखा है।

चीन का अर्जेंटीना में गहराता प्रभाव भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से चिंता का विषय है, खासकर जब चीन की नीति Global South के देशों में कर्ज और निवेश के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रही है। यहां यह भी काबिलेगौर है कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण के लिए लिथियम पर निर्भर है। अर्जेंटीना में चीन की बढ़ती हिस्सेदारी इस महत्वपूर्ण खनिज की वैश्विक आपूर्ति में भारत को पीछे धकेल सकती है। इसलिए भारत अर्जेंटीना के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना चाहता है, लेकिन चीन की पहले से मौजूदगी भारत की कूटनीतिक पहुंच को सीमित कर सकती है। लेकिन भारत के ₹ग्लोबल साउथ₹

को जोड़ने की नीति अर्जेंटीना जैसे देशों में स्वीकार्यता पा रही है।

देखा जाये तो भारत और चीन दोनों ही अर्जेंटीना को एक बड़ा कृषि, औद्योगिक और खनिज स्रोत मानते हैं। हालांकि चीन का आक्रामक निवेश मॉडल भारत के लिए प्रतिस्पर्धा को कठिन बना देता है, खासकर तब जब भारत सतर्क और स्थिर निवेश नीति पर चलता है। सवाल उठता है कि भारत की रणनीतिक दिशा क्या होनी चाहिए? इसका जवाब यह हो सकता है कि भारत को अर्जेंटीना सहित लैटिन अमेरिका के देशों में उच्च स्तरीय राजनीतिक और व्यापारिक संवाद को और गहरा करना होगा। साथ ही अर्जेंटीना में लिथियम जैसे संसाधनों के लिए भारत को चीन के समानांतर रणनीतिक साझेदारियाँ बनानी होंगी। इसके अलावा, 'सॉफ्ट पावर' के माध्यम से भारत अर्जेंटीना में अपनी पहचान मजबूत कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे में देखने को आया कि भारत जिन उद्देश्यों और लक्ष्यों को लेकर चल रहा है उसमें सही रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। वैसे भी हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के द्विपक्षीय संबंध ऐतिहासिक, कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से लगातार प्रगाढ़ हुए हैं। ये संबंध केवल व्यापार और कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि, खेल और संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों में भी परस्पर सहयोग का आधार बनते जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि भारत और अर्जेंटीना के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध 1949 में स्थापित हुए थे। दोनों देश वैश्विक मंचों पर समान विचार साझा करते हैंझ जैसे बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद विरोध और Global South की आवाज को सशक्त बनाना। पिछले दो दशकों में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय राजनीतिक यात्राएं, व्यापारिक समझौते और रणनीतिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री की इस यात्रा के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गौर करें तो आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सहमति जताई। साथ ही अर्जेंटीना चूंकि Lithium Triangle का हिस्सा है और भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लिए लिथियम एक प्रमुख संसाधन है, इसलिए प्रधानमंत्री की यात्रा में लिथियम आपूर्ति के समझौते बेहद अहम रहे। इसके अलावा, अर्जेंटीना कृषि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में उन्नत है इसलिए भारत ने कृषि क्षेत्र में सहयोग की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। साथ ही दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ाने पर जोर दिया, विशेषकर आईटी, फार्मा और ऑटोमोबाइल सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहन देने पर सहमति हुई।

आगे की संभावनाओं पर गौर करें तो कहा जा सकता है कि भारत-अर्जेंटीना संबंध आने वाले वर्षों में और अधिक सुदृढ़ हो सकते हैं, विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा, खासकर सौर और पवन ऊर्जा में। इसके अलावा, छात्र विनिमय कार्यक्रम और विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी से शिक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग और बढ़ने की संभावना है। साथ ही अर्जेंटीना की फुटबॉल विरासत और भारत की सांस्कृतिक विविधता के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भी अपार संभावनाएं हैं।

बहरहाल, कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना यात्रा भारत की "Act Global" कूटनीतिक नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। इस यात्रा ने न केवल दोनों देशों के बीच सहयोग के नए द्वार खोले हैं बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को और सुदृढ़ किया है। अर्जेंटीना जैसे लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भारत के संबंधों की सुदृढ़ता न केवल आपसी सहयोग को बढ़ावा देती है, बल्कि वैश्विक संतुलन की दिशा में एक सकारात्मक कदम भी है।

संपादकीय

घरेलू निवेशकों का वर्चस्व

वैश्विक स्तर पर राजनीतिक अस्थिरता, कई देशों में तनावपूर्ण हालात और आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते विदेशी निवेशकों के सतर्क रहने के कारण अप्रैल-जून में भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश 33 फीसद से घट कर 1.69 अरब ड़ॉलर रह गया है। रियल एस्टेट परामर्शदाता कंपनी कोलियर्स इंड़िया यह आकलन लगाया है। कोलियर्स इंड़िया के आंकड़ों से पता चलता है कि बीते साल अप्रैल-जून में रियल एस्टेट क्षेत्र में जो 253.33 करोड़.ड़ॉलर का संस्थागत निवेश था, वह घट कर 169.12 करोड़ ड़ॉलर रह गया। समीक्षाधीन अवधि में विदेशी निवेशकों से प्राप्त धन प्रवाह 204.68 करोड़.ड़ॉलर से लगभग आधा होकर 104.84 करोड़.ड़ॉलर रह गया। बेशक, भू-राजनीतिक हालात तमाम देशों को प्रभावित कर रहे हैं, और तमाम अर्थव्यवस्थाएं इनसे असरंदोज हो रही हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था के बुनियादी कारक हालिया वर्षों में बराबर इतने मजबूत बने रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक परिदृश्य के घटनाक्रम के असर से ज्यादा प्रभावित नहीं होने पाती। ऐसा ही हमने कोविड़-19 महामारी के समय भी देखा था। उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था को खासा झटका लगा था, लेकिन भारत अपनी आर्थिक गतिविधियों को चलायमान बनाए रख सका तो मात्रइसलिए कि घरेलू मांग शिथिल नहीं पड़ी थी। अभी भी वैश्विक भू-राजनीतिक स्थितियां तमाम देशों पर असर ड़ाल रही हैं और इसी के चलते भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र पर भी असर पड़ा है। लेकिन इतने विपरीत हालात में भी भारत के घरेलू निवेश ने रियल एस्टेट को संभाले रखा है। घरेलू निवेशकों का उत्साह बराबर बना रहा और उन्होंने अप्रैल-जून के दौरान 64.28 करोड़.ड़ॉलर का निवेश किया जो पिछले वर्ष की संबद्ध अवधि के 48.65 करोड़.ड़ॉलर से 32 फीसद अधिक है। कह सकते हैं कि घरेलू पूंजी भारत के रियल एस्टेट निवेश में एक प्रमुख चालक के रूप में उभरी है। कुल निवेश में इसकी हिस्सेदारी 2021 के 16 फीसद से बढ़ कर 2024 में 35 फीसद हो गई। घरेलू निवेशकों के प्रभुत्व के चलते अनिश्चितताओं का भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में ज्यादा असर नहीं पड़ने पाया। रियल एस्टेट क्षेत्र के कमजोर न पड़ने के कारण इससे संबद्ध अन्य क्षेत्रों में भी मजबूती बनी रही जो अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी है।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा।

हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं।

अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।

चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

नक्सलवाद या नीतिगत नरसंहार? संविधान की छांव में छुपा सच!

सोनम लववंशी

साल 2025 की पहली छमाही में ही छत्तीसगढ़ के जंगलों से जो खबरें लगातार आ रही हैं, वो किसी भी संवेदनशील नागरिक को विचलित करने के लिए काफी हैं। सरकारी आंकड़े खुद गवाही दे रहे हैं कि अब तक 287 कथित नक्सलियों को सुरक्षा बलों द्वारा मार गिराया जा चुका है, 865 ने समर्पण किया और 830 गिरफ्तार किए गए हैं। इन आँकड़ों को एक सतही विजयगाथा की तरह पेश किया जा रहा है जैसे मानो एक बड़ी जीत हासिल हो गई हो। पर क्या सचमुच यह जीत है? और अगर है, तो किसकी? राज्य की? संविधान की? लोकतंत्र की? या फिर उन कॉरपोरेट हितों की जो खनिजों से भरे इन जंगलों की कीमत को खून से तौलना चाहते हैं? छत्तीसगढ़ की धरती केवल प्राकृतिक संसाधनों की भूमि नहीं है, यह सदियों से आदिवासी जीवन, परंपराओं और सांस्कृतिक अस्तित्व की जीवंत गवाही रही है। यहाँ का हर पेड़, हर नदी, हर पहाड़ इन आदिवासियों के जीवन से जुड़ा है। लेकिन अब इन्हीं जंगलों और बस्तियों में, नक्सल उन्मूलन के नाम पर जिस तरह से मौत परोसी जा रही हैं, वह किसी सुरक्षा अभियान से कहीं आगे की कहानी है। यह उस खामोश विनाश की गाथा है जिसे आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन की आड़ में अंजाम दिया जा रहा है।

जिन्हें मारा जा रहा है, उनके शवों के साथ न मीडिया तस्वीरें साझा करता है, न ही अदालतें कोई सुनवाई करती हैं। एके-47 की गोलियों से किसी की संभावित पहचान को नक्सली ठहराकर मिटा देना क्या इस लोकतंत्र में न्याय का नया मानक बन गया है? क्या अब संविधान की प्रस्तावना में लिखी 'न्याय', 'स्वतंत्रता' और 'समता' की अवधारणाएं केवल भाषणों और परीक्षाओं की चीज बनकर रह गई हैं? विडंबना यह है कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक आदिवासी महिला बैठी हैं जो प्रतीकात्मक रूप से आदिवासी गौरव का प्रतिनिधित्व करती हैं और उसी समय उन्हीं आदिवासियों को 'राज्य विरोधी' घोषित कर उनका सफाया किया जा रहा है। यह उस विरोधाभास की मिसाल है जो इस राष्ट्र के प्रतीकों और उसकी वास्तविकता के बीच की गहरी खाई को दशार्ता है। यह सवाल सिर्फ छत्तीसगढ़ या किसी एक राजनीतिक दल का नहीं है। यह प्रश्न उस सोच का है, जो मानती है कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाने का एकमात्र तरीका उसे या तो मार देना है, या हथियार डलवा कर उसे 'आज्ञाकारी' बना देना है। लेकिन यह 'मुख्यधारा' आखिर है क्या? क्या यह वही धारा है जहां जल, जंगल, जमीन पर कॉरपोरेट कब्जा वैध है, लेकिन आदिवासी हक की आवाज 'राष्ट्रविरोधी' हो जाती है? सरकार यह दावा करती है कि वह शांति चाहती है, विकास चाहती है। पर सवाल उठता है अगर पाकिस्तान से युद्धविराम हो सकता है, सीमा पर बातचीत हो सकती है, तो अपने ही देश के नागरिकों से संवाद क्यों असंभव है? अगर नगालैंड, मिजोरम, कश्मीर, असम में राजनीतिक समाधान तलाशे जा सकते हैं, तो बस्तर की घाटियों में केवल गोलियों की गूंज ही क्यों तय कर रही है कि कौन जिएगा और कौन मरेगा? सच यह है कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी केवल एक भौगोलिक पहचान नहीं रखते, वे इस देश के उस मूल स्वर को दशार्ते हैं जिसे 'लोक' कहते हैं। उनका जीवन सामूहिकता, प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और गहरे आत्म-सम्मान पर आधारित है। लेकिन यह जीवन पद्धति उस नवउदारवादी मॉडल के लिए सबसे बड़ी बाधा है जो जंगल को सिर्फ खनिज मानता है, न कि जीवंत संस्कृति। यही कारण है कि जब कोई आदिवासी अपनी जमीन छोड़ने से मना करता है, तो उसे माओवादी ठहरा दिया जाता है। और यही वह क्षण है जब न्याय के दरवाजे बंद हो जाते हैं, और बंदूकें खुल जाती हैं। आंकड़ों की भाषा में देखें तो 2025 में अब तक 287 लोग मारे गए, लेकिन यह संख्या सिर्फ शरीरों की नहीं, यह 287 परिवारों की बबार्दी, सैकड़ों अनाथ बच्चों की आँखें, और उन गाँवों की खामोश पीड़ा की गिनती है जहाँ जीवन अब केवल डर में बीतता है। ऐसे में यह दावा करना कि नक्सलवाद कमजोर हो रहा है, शायद रणनीतिक हो, लेकिन मानवीय नहीं।

एक सभ्य समाज की पहचान केवल उसकी कानून व्यवस्था से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर वर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। और जब वह समाज अपने ही नागरिकों की असहमति को हिंसा से कुचलने लगे, तो वह खुद अपनी नींव को खोद रहा होता है। क्या हम सच में यह मानने लगे हैं कि आदिवासी होना ही अपराध है? हमारी चुप्पी इस अपराध में साझेदार है। जब हम मीडिया की एकतरफा खबरों पर विश्वास करके संतोष की सांस लेते हैं, जब हम यह मान लेते हैं कि 'अगर मारा गया तो कुछ न कुछ गड़बड़ की होगी', तब हम उस न्याय प्रक्रिया का गला घोंट रहे होते हैं जिसने हर नागरिक को निर्दोष मानने का अधिकार दिया है जब तक कि उसका दोष सिद्ध न हो जाए। अब समय आ गया है कि हम सवाल पूछें खुले, निर्भीक और जिम्मेदार सवाल। क्या यह सच नहीं कि इस पूरे सैन्य अभियान का उद्देश्य सिर्फ सुरक्षा नहीं, बल्कि खनन मार्ग को साफ करना है? क्या यह सच नहीं कि जिन इलाकों में सबसे अधिक संघर्ष हो रहा है, वे वही क्षेत्र हैं जहाँ खनिज संपदा सबसे ज्यादा है?

अगर यह संघर्ष केवल सुरक्षा का होता, तो इसमें संवाद, विश्वास और पुनर्वास की योजना होती। लेकिन जब किसी समाधान की बात ही नहीं होती, जब केवल 'मौत या समर्पण' का विकल्प दिया जाता है, तब यह राज्य की हिंसक इच्छाशक्ति का संकेत है, न कि लोकतांत्रिक मंशा का। कहीं ऐसा तो नहीं कि हम अपने ही देश के एक पूरे समुदाय को आंतरिक शत्रु मानने की आदत डाल चुके हैं? और अगर हां, तो यह आदत हमें उस दिशा में ले जा रही है जहां लोकतंत्र केवल कागजों पर बचेगा, और जमीन पर तानाशाही का रूप ले लेगा। एक संवेदनशील राष्ट्र वह होता है जो अपने लोगों की पीड़ा को सुने, उनके आक्रोश को समझे और उनकी असहमति को देशद्रोह नहीं, लोकतंत्र का हिस्सा माने। छत्तीसगढ़ का सवाल केवल सुरक्षा नीति का नहीं है, यह इस देश की आत्मा का प्रश्न है। अगर हमने इस समय चुप्पी ओढ़ी, तो इतिहास यह नहीं देखेगा कि कितने 'नक्सली' मारे गए बल्कि यह याद रखेगा कि हमने कितनी निर्दोष आवाजों को चुप होते देखा, और कुछ नहीं किया। यह लोकतंत्र के लिए एक निर्णायक क्षण है। क्या हम बंदूक से शासन चलाएंगे, या संवाद से? क्या हम खामोशी को सुरक्षा मानेंगे, या न्याय को? यह चुनाव सिर्फ छत्तीसगढ़ का नहीं, पूरे भारत का है।

सोशल मीडिया : नया नशा, टूटते रिश्ते और तनाव

प्रियंका सौरभ

आज का समाज ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहां एक तरफ तकनीकी प्रगति ने जीवन को सहज और तेज बना दिया है, वहीं यही तकनीक धीरे-धीरे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है। सोशल मीडिया, जो कभी सूचना और संपर्क का सशक्त माध्यम था, आज ऐसा नशा बन चुका है जिसने परिवार, संबंध और मानसिक स्वास्थ्य, तीनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

पहले के समय में संवाद का अर्थ था बैठ कर बात करनाङ्क साथ हंसना, रोना, बहस करना और समझना। आज यह सब कुछ 'टाइप' और 'स्क्रॉल' में बदल गया है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिलाएं हों या पुरुष, सबके हाथ में स्मार्टफोन हैं, और निगाहें स्क्रीन पर। कभी जो बातें रसोई, आंगन या बैठक में होती थीं, आज 'स्टेटस अपडेट', 'रील' या 'ट्वीट' में समा गई हैं। जिस रफ्तार से इंटरनेट की पहुंच और स्मार्टफोन का प्रसार हुआ है, उसी रफ्तार से हमारी असल दुनिया सिमटती जा रही है। सोशल मीडिया ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है अब दोस्त वो हैं, जिनके पोस्ट पर हम हार्ट भेजते हैं, परिवार वो है जिसके मैसेज को हमने 'सीन' किया हो, और सुख-दुख वो है जो हमने 'स्टोरी' पर साझा किया हो। बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर 'गेमिंग' कर रहे हैं। स्कूल से लौट कर मांझबाप से बात करने की बजाय इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज सेल्फी, फिल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है।

सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहां व्यक्ति दिखने में बहुत व्यस्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब 'टैग' और 'मेंशन' में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है। मां-बाप बच्चों को खाना परोसते हैं, और बच्चे खाने से पहले उसकी तस्वीर खींच कर पोस्ट करते हैं। यह आदत लत बन चुकी है। सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना, रात को सोने से पहले स्क्रॉल करना, हर क्षण को लाइव करना या कम से कम फोन में कैद करना। यह व्यवहार अब केवल समय की बबार्दी नहीं, बल्कि मानसिक विकारों का बीज भी बन चुका है।

डिजिटल लाइफस्टाइल ने न केवल नींद, आहार, एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली 'परफेक्ट जिंदगी' का निरंतर सामना आम इंसान को हीन भावना से भर देता है। दूसरों की सफलताङ्क सुंदरता, यात्रा और जीवनशैली की तस्वीरें देख कर व्यक्ति अपने जीवन को तुच्छ समझने लगता है। यही वह क्षण होता है जब तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि जैसे विकार जन्म लेने लगते हैं। खासकर किशोरों और युवाओं में यह प्रभाव और भी तीव्र है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स ने आत्ममूल्यांकन का नया पैमाना बना दिया है। एक पोस्ट पर कम लाइक आए तो आत्म-सम्मान को ठेस लगती है, ट्रोलिंग हो जाए तो महीनों तक अवसाद की स्थिति बनी रहती है।

इस प्लेटफॉर्म पर 'फेक आईडेंटिटी' और 'वर्चुअल ग्लैमर' का जाल इतना घना हो गया है कि लोग वास्तविकता से कटते जा रहे हैं। एक तरफ जहां व्यक्ति दूसरों को दिखाने के लिए महंगे कपड़े, कारें और कैफे में फोटो पोस्ट करता है, वहीं असल जिंदगी में वह कर्ज और तनाव से घिरा होता है। परिवारों में संवाद की जगह अब संदेह, दूरी और झगड़े ने ले ली है। शादीशुदा जिंदगियों में सोशल मीडिया पर गैरजरूरी बातचीत और अफेयर्स ने तलाक के मामलों में वृद्धि की है। बच्चों में चिड़िचड़ापन, सोशल आइसोलेशन और एकांतप्रियता बढ़ी है। बुजुर्ग अपने ही घर में उपेक्षित महसूस करते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल में खोए रहते हैं। सोशल मीडिया पर झूठे आदर्शों और हानिकारक कंटेंट की भरमार भी है। लड़िकयों को परफेक्ट फिगर के दबाव में डाला जाता है, युवाओं को सफलता के झूठे मॉडल दिखा कर भ्रमित किया जाता है, और छोटे बच्चे हिंसक या भ्रामक गेम्स में उलझ जाते हैं। सोशल मीडिया का नया नशा तभी टूटेगा जब हम आत्मनियंत्रण, संवाद और समझदारी से इसे अपनाएंगे।

सहकारिता को नए-नए क्षेत्रों में भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत आज जब एक समावेशी और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, ऐसे में सहकारिता क्षेत्र को भी अपनी भूमिका का विस्तार करते हुए नए-नए क्षेत्रों में सक्रियता से भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। यह बातें उन्होंने रविवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

यह कार्यक्रम गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति में यूनाइटेड थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटीज फेडरेशन ऑफ दिल्ली लिमिटेड द्वारा 'सहकारिता वर्ष संग्रह और सहयोग सम्मान समारोह' के अंतर्गत आयोजित किया गया। इसमें सहकारिता आंदोलन से जुड़े उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित किया गया और समाज में सहयोग की भावना को मजबूत करने पर बल दिया गया।

गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है, जिसका विषय है – सहकारिताएं एक बेहतर विश्व का निर्माण करती हैं। यह वैश्विक पहल सहकारिताओं की भूमिका को उजागर करती है। स्वामित्व और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से सहकारिताएं लोगों को एकजुट कर उनकी साझा आर्थिक और सामाजिक आवश्यकताओं को लोकतांत्रिक स्वामित्व और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से पूरा करने का माध्यम बनती हैं। ये संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में विशेष रूप से सम्मानजनक कार्य को बढ़ावा देने, असमानता को घटाने, और गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि 'संग्रह और सहयोग सम्मान कार्यक्रम' इस बात का उदाहरण है कि स्थानीय सहकारी समितियां किस प्रकार सहकारिता के मूल सिद्धांतों (बचत को प्रोत्साहित करना, ऋण सुविधा उपलब्ध कराना, और सशक्त सामुदायिक नेटवर्क का निर्माण करना) को साकार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की संस्थाएं विशेष रूप से उन नागरिकों को सशक्त बनाती हैं, जिन्हें पारंपरिक वित्तीय प्रणालियों तक पहुंच नहीं है। ये संस्थाएं उन्हें आजीविका सुधारने के लिए आवश्यक संसाधन और विश्वास प्रदान करती हैं।

विजेंद्र गुप्ता ने यह रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता आंदोलन अब विकसित भारत की एक मजबूत आधारशिला के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य वित्तीय समावेशन को गहराना, शासन व्यवस्था का आधुनिकीकरण करना, नए क्षेत्रों में विस्तार करना, और सहकारिताओं को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। यह परिवर्तन आज प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, सहकारी बैंकों, कर व्यवस्था, और निर्यात उन्मुख राष्ट्रीय सहकारिताओं की सुदृढ़ता में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जो आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में सीधे योगदान दे रहे हैं।

गुप्ता ने सहकारी संस्थाओं से आग्रह किया कि वे पारदर्शिता बनाए रखें, आधुनिक तकनीकों को अपनाएं, और नए दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें, ताकि वे वर्तमान सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का प्रभावी रूप से सामना कर सकें। इस अवसर पर अध्यक्ष ने दौड़ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में सहकारी संगठनों के नेताओं, समाज के सदस्यों और अन्य लोगों ने भाग लिया। सभी ने समावेशी विकास, सामुदायिक कल्याण और विकसित भारत के लक्ष्य की पूर्ति के लिए सहकारिता आंदोलन को सशक्त करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यमंत्री सहित भाजपा नेताओं ने श्याम प्रसाद मुखर्जी को माल्यार्पण कर नमन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को शहीदी पार्क में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर माल्यार्पण कर नमन किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी उस राष्ट्रचेतना के प्रवर्तक थे, जिसने भारत को केवल भूगोल नहीं, एक संकल्प के रूप में देखा। उनके चिंतन में भारत की एकता थी और उनके संघर्ष में राष्ट्र की अखंडता का संकल्प। ÷एक देश, एक विधान, एक प्रधान÷ यह कोई राजनीतिक नारा नहीं, भारत के स्वाभिमान की वह वाणी थी, जिसे उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर अमर किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस धारा से डॉ. मुखर्जी ने विचारों का दीप जलाया, उसी वैचारिक प्रकाश में भारतीय जनता पार्टी की नींव पड़ी। भाजपा केवल सत्ता का माध्यम नहीं, सेवा, राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक अस्मिता का जीवंत संकल्प है। यह वही विचार है, जो कहता है कि राष्ट्र सर्वोपरि है, संविधान की गरिमा सर्वोच्च है और भारत की एकता अटूट है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है, तब मुखर्जी जैसे महापुरुष हमारे वैचारिक पथप्रदर्शक और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा हैं।

नए पदों और वित्तीय आवश्यकताओं की शीघ्र पूर्ति सुनिश्चित करे डीयू प्रशासन: डूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) प्रशासन की ओर से अकादमिक परिषद में पूरक एजेंडा के माध्यम से प्रस्तुत पांच प्रतिशत क्रेडिट स्वयं और मूक्स जैसे ऑनलाइन माध्यमों से अर्जित करने के प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया है।

डूटा ने दिल्ली विश्वविद्यालय कुलपति प्रो योगेश सिंह को पत्र लिख कर साफ कर दिया है कि यह प्रस्ताव स्पष्ट रूप से विश्वविद्यालय में चौथे वर्ष के लागू होने से उत्पन्न अतिरिक्त अध्यापन पदों और वित्तीय आवश्यकताओं को टालने की मंशा को दर्शाता है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पूर्णतया खिलाफ है। इसलिए डूटा ऐसी किसी भी कोशिश को कतई स्वीकार नहीं करेगा। डूटा के अध्यक्ष प्रो. ए के भगी और महासचिव अनिल कुमार का कहना है कि हमने अपने पत्र में चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया है कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन इस तरह के प्रयासों के माध्यम से प्रशासन शैक्षणिक गुणवत्ता से समझौता करने का प्रयास करता है तो आगामी 12 जुलाई, 2025 से शिक्षक अधिकारों की रक्षा और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मूल्यों को सुरक्षा के लिए विरोध प्रदर्शन शुरू होगा।

डूटा अध्यक्ष प्रो एके भागी ने कुलपति को लिखे पत्र में बताया कि है कि अकादमिक परिषद की बैठक में शामिल पूरक एजेंडा बिंदु 6.1.5 के प्रति उनका कड़ा विरोध है। इस एजेंडा बिंदु में नियमित स्नातक (यूजी) एवं स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों में पांच प्रतिशत क्रेडिट स्वयं और मूक्स जैसे ऑनलाइन माध्यमों से अर्जित करने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। डूटा का मानना है कि इस प्रस्ताव के पीछे विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत चौथे वर्ष को लागू करने से उत्पन्न अतिरिक्त अध्यापन पदों और वित्तीय आवश्यकताओं को टालने की मंशा है। डूटा अध्यक्ष ने कहा है कि हम विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग करते है कि 2025-26 के शैक्षणिक कैलेंडर में शिक्षकों के बढ़ते शैक्षणिक कार्यभार को देखते हुए शीतकालीन अवकाश की अवधि बढ़ाई जाए इसके साथ-साथ सेमेस्टर ब्रेक को शिक्षकों के लिए औपचारिक अवकाश अवधि के रूप में घोषित किया जाए।

प्रो. भागी ने डूटा का मत स्पष्ट करते हुए अपने पत्र में कहा है कि नियमित विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से शैक्षणिक क्रेडिट अर्जित करने की अनुमति देना, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्तर और गुणवत्ता से समझौता करने का प्रयास है जोकि यह कक्षा में शिक्षण के महत्व को कम करेगा, विद्यार्थी-शिक्षक संवाद को बाधित करेगा और शिक्षकों पर कार्यभार को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। यह प्रस्ताव विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परंपरा और उन निर्णयों के विरुद्ध है, जो अब तक अकादमिक समुदाय और वैधानिक निकायों द्वारा लिए गए हैं, जिसमें प्रत्यक्ष शिक्षण और संकाय मार्गदर्शन को प्राथमिकता दी गई है। डूटा ने कहा है कि स्वयं और मूक्स जैसे ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की सामग्री, पाठ्यक्रम और शैक्षणिक स्तर, दिल्ली विश्वविद्यालय की मजबूत शैक्षणिक संरचना के अनुरूप नहीं हैं और ऐसी किसी भी कोशिश को हम पूरा नहीं होने देंगे।

दिल्ली में 25 साल से फरार कुख्यात अपराधी अजय लांबा गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने कई अपराधों के सिलसिले में 25 सालों से फरार 49 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, गिरफ्तार व्यक्ति पर आरोप है कि वह टैक्सी ??किराये पर मंगाता था, तथा उनके चालकों की हत्या कर उनके शवों को उत्तराखंड के दूरदराज के जंगली इलाकों में फेंक देता था और वाहनों को नेपाल सीमा पार बेच देता था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान अजय लांबा उर्फ ??बंशी के रूप में हुई है जो दिल्ली और उत्तराखंड में लूटपाट एवं हत्या के चार मामलों में वांछित था। पुलिस ने कहा कि उसे सभी मामलों में भगोड़ा घोषित किया गया था, जिसमें न्यू अशोक नगर थाने में दर्ज 2001 का हत्या का एक मामला भी शामिल है।

अधिकारी ने बताया कि लांबा 1999 से 2001 के बीच किए गए कई जघन्य अपराधों का कथित मुख्य आरोपी था, जिसमें उसने अपने साथियों के साथ मिलकर टैक्सी चालकों को निशाना बनाया, उनकी हत्या की, उनके वाहन लूटे और पहचान छिपाने के लिए शवों को उत्तराखंड के दूरदराज के जंगली इलाकों में फेंक दिया।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) आदित्य गौतम ने बताया, 1976 में जन्मे और मूल रूप से दिल्ली के कृष्णा नगर के रहने वाले अजय ने छठी कक्षा के बाद स्कूल छोड़ दिया और कम उम्र में ही आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया। विकास पुरी पुलिस ने उसे पहले बंशी उपनाम से बदमाश घोषित किया था।

1996 में उसने अपना नाम बदलकर अजय लांबा रख लिया और उत्तर प्रदेश के बरेली में रहने लगा, जहां उसने अपने साथियों धीरेंद्र और दिलीप नेगी के साथ मिलकर अपराध को अंजाम दिया।''

पुलिस ने बताया कि लांबा को दिल्ली, हल्द्वानी, अल्मोड़ा और चंपावत में दर्ज लूटपाट और हत्या के चार मामलों में कभी गिरफ्तार नहीं किया गया, उसे सभी मामलों में भगोड़ा घोषित किया गया था और उस पर 1990 के दशक से चोरी और हथियार रखने जैसे कई आरोप भी लगे थे।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि लांबा लगातार अपने ठिकाने और पहचान बदलकर दो दशक से ज़्यादा समय तक किसी की पकड़ में नहीं आया।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2008 से 2018 तक वह अपने परिवार के साथ नेपाल में रहा और बाद में देहरादून चला गया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 2020 में वह मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हो गया और कथित तौर पर ओडिशा से दिल्ली और भारत के दूसरे हिस्सों में गांजा सप्लाई करने वाले गिरोह में काम करने लगा।

पुलिस ने बताया कि उसे 2021 में सागरपुर पुलिस द्वारा स्वापक औषधि और मन~ प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत एक मामले में और फिर 2024 में ओडिशा के ब्रह्मपुर में एक आभूषण की दुकान में लूटपाट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने कहा कि वह दोनों मामलों में जमानत पर बाहर था। पुलिस ने बताया कि उसने एक समन्वित अभियान में दिल्ली से लांबा को गिरफ्तार किया है।

सरकार उच्चतम न्यायालय से पुराने वाहनों के संबंध में एक समान नियम बनाने की मांग करेगी: गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार उच्चतम न्यायालय से आग्रह करेगी कि वह मियाद पूरी कर चुके वाहनों के लिए पूरे देश की तरह राष्ट्रीय राजधानी में भी एक समान नियम लागू करने की अनुमति दे।

पिछले सप्ताह, दिल्ली सरकार ने केंद्र के वायु गुणवत्ता आयोग से मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध को तत्काल स्थगित किये जाने का आग्रह किया था। सरकार ने कहा था कि सरकार तय मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर प्रतिबंध से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए ''सभी संभव प्रयास'' करेगी।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अध्यक्ष राजेश वर्मा को लिखे पत्र में कहा कि ईंधन पर प्रतिबंध व्यवहार्य नहीं है और तकनीकी चुनौतियों के कारण इसे लागू नहीं किया जा सकता।

गुप्ता ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि सरकार उच्चतम न्यायालय के समक्ष लोगों की भावनाओं को रखेगी। उन्होंने कहा, ''हम उच्चतम न्यायालय को सरकार द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताएंगे। जो मापदंड पूरे देश में लागू हैं, वही दिल्ली में भी लागू होने चाहिए। हम चाहते हैं कि दिल्लीवासियों को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लोगों को राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्ष 2018 में उच्चतम न्यायालय के एक फैसले में दिल्ली में 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के 2014 के आदेश में सार्वजनिक स्थानों पर 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों की पार्किंग पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

इंडियन ऑयल टैंकर से तेल चोरी करने वाले आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी जिला पुलिस ने इंडियन ऑयल टैंकर से तेल चोरी करने वाले एक गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने एक सूचना पर निगरानी कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 12 लीटर डीजल, 25 लीटर चोरी का पेट्रोल और ईंधन निकालने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद किए हैं। तेल चोरी करने के बाद आरोपित उसे खुले बाजार में बेच देते थे। बाहरी जिले के डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि 3 जुलाई को जिले की विशेष टीम पीतमपुरा इलाके में गश्त कर रही थी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग मंगोलपुरी के फेज-2 स्थित ट्रक मार्केट में खड़े इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसीएल) के ट्रकों से अवैध रूप से पेट्रोल और डीजल की चोरी करते हैं। ईंधन को कंटेनरों में भरकर उसे बाजार में कालाबाजारी करते हैं। इस सूचना को पुख्ता करने के बाद टीम ने वहां पर घेराबंदी कर ली। कुछ देर बाद टीम ने देखा कि एक ट्रक के पास तीन लोग कुछ संदिग्ध गतिविधि कर रहे हैं। वहां पहुंचने पर पुलिस ने देखा कि आरोपी एडाप्टर का इस्तेमाल कर ट्रक से ईंधन निकाल रहे थे। पुलिस टीम को देखते ही सभी आरोपित वहां से भागने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने उन्हें दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान छेदी राम मौर्य, सुरेंद्र सिंह और बाबू लाल पासवान के रूप में हुई। पुलिस ने मौके से पेट्रोलियम ईंधन से भरे तीन ड्रम बरामद किए।

दिल्ली : अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पांच आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (इंटर-स्टेट सेल) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय गांजा तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें सप्लायर, ट्रांसपोर्टर, रिसीवर और नेटवर्क के मुख्य सूत्रधार शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में एक ओडिशा का सप्लायर और नोएडा का रिसीवर भी शामिल है। पुलिस ने नोएडा स्थित आरोपी के घर से 25 किलोग्राम गांजा की अतिरिक्त बरामदगी भी की है। इस कार्रवाई की शुरुआत पहले हुई एक बड़ी जब्ती से जुड़ी है। कुछ दिन पहले क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों (मुकेश और राजेश) को गिरफ्तार कर उनके ट्रक से छुपाकर ले जाया जा रहा 288 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। पूछताछ और जांच के आधार पर पुलिस ने नेटवर्क के बाकी सदस्यों की पहचान की और उन्हें दबोचने के लिए अभियान चलाया। पुलिस ने 29 जून को मुख्य सप्लायर भारी मल नायक उर्फ नायक को ओडिशा के गजपति जिला में उसके गांव से गिरफ्तार किया। यह आरोपी नेटवर्क के गांजा सप्लाई का प्रमुख स्रोत था। गांजा को ओडिशा से दिल्ली-एनसीआर लाने वाले ट्रांसपोर्टर यशवीर दहिया उर्फ सतबीर को भी गिरफ्तार किया गया है जो उत्तराखंड के हरिद्वार का रहने वाला है। इसके अलावा गांजा का मुख्य रिसीवर सुनील नागर उर्फ गुल्लू भी पुलिस की गिरफ्त में आया है जो उत्तर प्रदेश के जिला गौतमबुद्ध नगर का निवासी है। आरोपियों से पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ कि यशवीर दहिया ने भारी मल नायक से गांजा खरीदा और सुनील नागर के कहने पर उसे दिल्ली-एनसीआर में पहुंचाया। पुलिस ने सुनील नागर के ग्रेटर नोएडा स्थित फ्लैट में छापा मारकर 25 किलोग्राम गांजा के पांच पैकेट और बरामद किए। डीसीपी (क्राइम ब्रांच) आदित्य गौतम ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि इस मामले में आगे की जांच जारी है और संभावना है कि यह नेटवर्क और भी बड़े स्तर पर फैला हुआ हो। पुलिस दूसरे सदस्यों की तलाश में जुटी है।

दिल्ली में झगड़े के बाद किशोर ने 15 वर्षीय रिश्तेदार की हत्या की, पकड़ा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके में झगड़े के बाद अपने 15 वर्षीय रिश्तेदार की कांच के टुकड़े से हत्या करने के आरोप में एक किशोर को पकड़ा गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस को रविवार को एलबीएस अस्पताल से रात करीब 12ः06 बजे एक मृत लड़के इमरान के मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) के बारे में सूचना मिली। वे तुरंत अस्पताल पहुंचे और पीड़ित की बहन शबाना से मिले। पुलिस के अनुसार, शबाना ने बताया कि एक लड़के ने इमरान पर कांच के नुकीले टुकड़े से हमला किया था, जिससे उसके बाएं हाथ के नीचे गंभीर चोट आई। इलाज के दौरान इमरान की मौत हो गई। देर रात पुलिस ने नियमित गश्त के दौरान प्रीत विहार में एक लड़के को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान उसने झगड़े के दौरान पीड़ित पर चाकू से हमला करने की बात कबूल की। उसे तुरंत हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए मंडावली थाने को सौंप दिया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि पीड़ित और आरोपी एक ही समुदाय से हैं और रिश्तेदार हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में जांच जारी है।

कई दिनों से छाए बादलों ने दिल्ली को किया तरबतर, पंजाब-हरियाणा में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून पूरे देश में सक्रिय हो चुका है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, झारखंड, यूपी, हिमाचल प्रदेश, उत?तराखंड जैसे राज?यों में लगातार बारिश हो रही है। आज यानी रविवार सुबह दिल?ली के कई इलाकों में बारिश हुई। आसमान पर पिछले कई दिनों से घने बादल छा रहे थे लेकिन बारिश नहीं हो रही थी। अब जाकर बादल बरसे हैं। मौसम विभाग ने पहले ही इसकी चेतावनी जारी कर दी थी। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते दिल?ली-एनसीआर में कमजोर पड़े मानसून के मजबूत होने के आसार हैं। बता दें मौसम विभाग के पूर्वानुमानों के बावजूद दिल?ली में अभी तक जोरदार बारिश देखने को नहीं मिली है। अब आईएमडी ने दिल?ली और आसपास के इलाकों में भी तेज बारिश हो सकती है। उत्तर भारत के मैदानी भागों में इस सप्ताह भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई थी। रविवार को उत्तर पंजाब और आसपास के इलाकों में एक चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है, जो मानसून ट्रफ को उत्तर की ओर खींचेगा। इन दोनों प्रणालियों के असर से रविवार को व्यापक वर्षा और गरज-चमक के साथ खराब मौसम की स्थिति बने रहने की संभावना है।

एम्स-आरएमएल में मनाया गया पीएमआर दिवस

-डॉक्टर-मरीज के बीच हुआ संवाद, बताया कैसे रह सकते हैं स्वस्थ

नई दिल्ली (एजेंसी)। एम्स और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में रविवार को राष्ट्रीय शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (पीएमआर) दिवस मनाया गया। इस दौरान डॉक्टरों और मरीजों में संवाद हुआ। डॉक्टरों ने बताया कि कैसे भविष्य में होने वाली समस्याओं को कम किया जा सकता है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें दिव्यांगों के लिए व्यावसायिक मार्गदर्शन सत्र, आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए ग्रुप डिस्कशन और सहारा देने वाली बैठकों का आयोजन हुआ। वहीं, एम्स के शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग ने कार्यक्रम आयोजित कर मरीजों को आत्मनिर्भर होने की जानकारी दी। विभाग के प्रमुख डॉ. प्रोफेसर संजय वाधवा ने कहा कि ऊंचाई से गिरने, चोट लगने सहित दूसरे कारणों में पीएमआर विभाग की जरूरत बढ़ी है। अस्पताल में ऐसे मरीज आते हैं जिन्हें जल्द ठीक करने के लिए एआई सहित अन्य तकनीकों का सहारा लिया जाता है। वहीं, विभाग की प्रोफेसर डॉ गीता हांडा ठुकराल ने बताया कि ऊंचाई से गिरने, सड़क दुर्घटना के कारण लोगों में स्पाइनल कॉर्ड इंजरी की समस्याएं बढ़ी हैं। ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से मरीजों को जागरूक करने के साथ उनके परिवार को विशेष जानकारी दी जा सकती है जिससे भविष्य में ऐसी समस्याओं को रोका जा सकता है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के नाम को बदलने की मांग, सांसद खंडेलवाल ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के सबसे प्रमुख रेलवे स्टेशन (नई दिल्ली रेलवे स्टेशन) का नाम बदलकर 'अटल बिहारी वाजपेयी रेलवे स्टेशन' किए जाने की मांग उठी है। इस संबंध में भाजपा के लोकसभा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर आग्रह किया है। अपने पत्र में खंडेलवाल ने लिखा है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन देश का सबसे व्यस्त और प्रतिष्ठित रेलवे स्टेशन है, जो राजधानी का प्रमुख प्रवेश द्वार भी है। ऐसे में इसका नाम भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखना, उनके योगदान को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। खंडेलवाल ने कहा कि पूर्व पीएम वाजपेयी न केवल एक प्रखर वक्ता और दूरदर्शी नेता थे, बल्कि उन्होंने आर्थिक सुधार, बुनियादी ढांचे के विकास और भारत की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। दिल्ली न सिर्फ उनकी राजनीतिक कर्मभूमि रही, बल्कि उनके जीवन से गहरे रूप में जुड़ी भी रही है। ऐसे में दिल्ली के इस ऐतिहासिक रेलवे स्टेशन का नामकरण उनके नाम पर करना जनभावनाओं का सम्मान होगा। उन्होंने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि देशभर में कई महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थलों का नाम राष्ट्रीय नायकों पर रखा गया है, जैसे कि मुंबई का 'छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस' और बेंगलुरु का 'क्रांतिवीर संगोली रायन्ना स्टेशन'। इसी तर्ज पर नई दिल्ली स्टेशन का नाम भी अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा जाना उपयुक्त होगा। सांसद खंडेलवाल ने रेल मंत्री से इस प्रस्ताव पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और आवश्यक प्रक्रिया शुरू करने की अपील की है। बता दें कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन काफी व्यस्त स्टेशन है, जहां से रोजाना सैकड़ों ट्रेनें परिचालित होती हैं।

दिल्ली : खिलौना व्यापारियों को टॉय पॉलिसी की उम्मीद, सीएम रेखा गुप्ता ने दिया आश्वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में टॉय एग्जीबिशन का उद्घाटन किया। इस दौरान सीएम ने प्रदर्शनी का बारीकी से निरीक्षण किया और यहां आए एक्जीबिटर्स को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि मुझे विश्वास है कि एक दिन विदेशों में भारत निर्मित खिलौनों की धूम मचेगी। सीएम ने अपने संबोधन में टॉय पॉलिसी और खिलौनों के व्यापार से जुड़े लोगों की समस्याओं का भी संज्ञान लिया। सीएम ने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली में व्यापारियों और टॉय इंडस्ट्रीज के लिए एक अलग माहौल विकसित करना चाहती है। उन्होंने खिलौने के बारे में मजाकिए अंदाज में कहा कि आमतौर पर कार्यक्रमों में फूलों के गुलदस्ते से स्वागत किया जाता है। आज इस प्रदर्शनी में आने के दौरान मुझे लगा था कि यहां पर फूलों के गुलदस्ते की जगह खिलौने मिलेंगे। रेखा गुप्ता ने वर्तमान समय में खिलौनों के बदलते स्वरूप पर कहा कि पहले के दौर और आज के दौर में खिलौनों का स्वरूप बदला है। हालांकि, मुझे बचपन से खिलौने बहुत पसंद हैं, लेकिन खिलौनों का स्वरूप अब पहले जैसा नहीं रहा। उन्होंने प्रदर्शनी में विविध प्रकार के खिलौनों को देखकर खुशी जताई और व्यापारियों की समस्याओं को ध्यान से सुना। मुख्यमंत्री ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि दिल्ली सरकार उनकी सुविधाओं और समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। खिलौना एसोसिएशन के अध्यक्ष मनु गुप्ता ने कहा कि हम मुख्यमंत्री के आगमन के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि टॉय पॉलिसी, जो खिलौना उद्योग के विकास के लिए एक प्रमुख स्तंभ है, को सक्रिय रूप से समर्थन और बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, बिहार सहित दूसरे राज्यों में यह पॉलिसी है। अब दिल्ली में इस पॉलिसी के लिए आश्वासन मिला है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नर्सों को नियुक्ति पत्र वितरित किए व आयुष्मान भारत पंजीकरण वैन को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में विज्ञान भवन में एक कार्यक्रम में 1,388 नर्सों और 41 पैरामेडिकल स्टाफ को नियुक्ति पत्र वितरित किए और आयुष्मान भारत पंजीकरण वैन को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल, रामवीर सिंह बिधूड़ी, बांसुरी स्वराज, सहित विधायक मौजूद रहे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कार्यक्रम को संबोधित कहा कि आज दिल्ली के लिए बहुत बड़ा दिन है और पंद्रह साल बाद यहां स्थायी नौकरियों के नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत केंद्र सरकार ने 2021 से फरवरी 2025 के बीच दिल्ली को 1700 करोड़ रुपये दिए थे, लेकिन एक पैसा भी तत्कालीन आम आदमी पार्टी से खर्च नहीं हुआ। जन कल्याण के लिए इस फंड के खर्च की जिम्मेदारी अब दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कंधों पर आ गई है।

जेपी नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार 2017 से दिल्ली के हर गरीब के इलाज के लिए पांच लाख रुपए लेकर तैयार थी, लेकिन पिछली सरकार इसे न लेकर गरीबों के साथ अन्याय किया। दिल्ली में अब डबल इंजन की सरकार आने के बाद गरीबों को डबल फायदा मोदी सरदार दे रही है।

मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह केवल एक नौकरी नहीं, यह सेवा का अवसर, संकल्प का सम्मान और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा 1,388 नर्सों और 41 पैरामेडिकल कर्मियों को स्थायी नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। साथ ही आयुष्मान भारत पंजीकरण वैन का लोकार्पण कर 'स्वस्थ भारत' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक और सशक्त कदम उठाया गया।

उन्होंने कहा कि इन नियुक्तियों से न केवल दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई ऊर्जा मिली है, बल्कि उन सैकड़ों परिवारों के सपनों को पंख मिले हैं जिनकी आँखों में वर्षों से बस यही एक प्रतीक्षा पल रही थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी के प्रमुख अस्पतालों में नियुक्त हुईं ये नर्सें सेवा का जीवंत स्वरूप और हमारे चिकित्सा तंत्र की आत्मा हैं। आज उन्हें जो नियुक्ति मिली है, वह उनके वर्षों के परिश्रम, तप और समर्पण को राष्ट्रीय मान्यता है।

इंदौर से महाराष्ट्र जा रही बस फिसलकर नदी में गिरी, 3 की मौत, कई घायल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के आमोदा गांव के पास एक निजी बस पुल से नीचे मोर नदी में गिरी गई। यह बस मध्य प्रदेश के इंदौर से भुसावल (महाराष्ट्र) जा रही थी। हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत की खबर मिली है, जबकि 25 से ज्यादा यात्री घायल बताए जा रहे हैं। यह हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ जब बस पुल पर चढ़ते समय नियंत्रण हो गई और बैरिकेट तोड़ते हुए सीधे नदी में जा गिरी। गनीमत रही कि नदी में पानी नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। जानकारी के मुताबिक स्थानीय ग्रामीण और पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त बस एमपी 09-9009 को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। इस हादसे के बाद मोर नदी पर बने पुल की सुरक्षा और सड़क की हालत पर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि फैजपुर-अमोदा मार्ग पर एक महीने में 20 से ज्यादा हादसे हो चुके है। आरोप है कि इस सड़क पर ब्रेक लगाते समय वाहन फिसलते हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद अब तक कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। बता दें इससे पहले महाराष्ट्र के वाशिम जिले में समृद्धि महामार्ग पर एक कार डिवाइडर से टकरा गई थी, जिससे दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा गुरुवार रात वनोजा और करंजा के बीच हुआ था। कार में सवार नागपुर जिले के उमरेड निवासी एक ही परिवार के पांच लोग पुणे से लौट रहे थे।

अंडमान सागर में भूकंप के झटके, तीव्रता 4.5 मापी गई; फिलहाल नुकसान की कोई खबर नहीं

अंडमान (एजेंसी)। अंडमान सागर में रविवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4.5 तीव्रता वाला भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप सुबह 7:03 बजे समुद्र की गहराई में महसूस किया गया। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) द्वारा जारी की गई है। जानकारी अनुसार भूकंप का एपिसेंटर 6.60अक्षांश नॉर्थ और 95.05 देशांतर ईस्ट पर स्थित था। यह झटका समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर गहराई में उत्पन्न हुआ, जो सामान्य गहराई के भूकंपों की श्रेणी में आता है। अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या सुनामी खतरे की सूचना नहीं है। प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। क्षेत्रीय भूकंपीय निगरानी सिस्टम और तटीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

लगातार सक्रिय रहता है यह क्षेत्र

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के आसपास का इलाका भूकंपीय दृष्टि से बेहद सक्रिय माना जाता है। यह क्षेत्र इंडो-ऑस्ट्रेलियन और बर्मा टेक्टोनिक प्लेट्स के जंक्शन पर स्थित है, जहां अक्सर हल्के या मध्यम भूकंप आते रहते हैं। हालांकि यह झटका समुद्र में आया और किसी प्रभाव की खबर नहीं है, फिर भी विशेषज्ञों ने लोगों से सतर्क रहने और भ्रामक सूचनाओं से बचने की अपील की है।

तेलंगाना में काम के घंटे 8 से बढ़कर 10 घंटे

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार ने निजी संस्थानों में काम के 2 घंटे बढ़ा दिये है। अब 8 घंटे की जगह 10 घंटे कर्मचारियों से काम लिया जा सकेगा। तेलंगाना सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना निजी संस्थानों पर ही लागू होगी। अधिसूचना के अनुसार सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम कराने की दशा में कर्मचारियों को ओवरटाइम का भुगतान करना पड़ेगा। एक सप्ताह में केवल 48 घंटे ही काम कराया जा सकता है। 6 घंटे के बाद 30 मिनट का ब्रेक अनिवार्य रूप से दिए जाने का प्रावधान सरकार ने अधिसूचना में रखा है। किसी भी कार्य अवधि में 12 घंटे से अधिक का काम नहीं कराया जा सकता है। इस अधिसूचना के नियम दुकानों पर लागू नहीं होंगे। इस अधिसूचना के जारी होने के बाद सभी कल कारखाने और बड़े संस्थानों में कर्मचारियो से 10 घंटे तक काम कराया जा सकता है।

विस्फोटक से भरी गाड़ी पकड़ाई

बागपत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में पुलिस ने समय रहते एक बड़ी अनहोनी को टाल दिया। जिले के खेकड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक संदिग्ध गाड़ी को रोका, जिसमें से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और बारूद बरामद किया गया। पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध वाहन फखरपुर रोड से होते हुए दिल्ली की ओर जा रहा है, जिसमें भारी मात्रा में विस्फोटक है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर गाड़ी को रोका। जब पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली, तो उसमें से 5 क्रिंटल विस्फोटक और 10 किलो बारूद बरामद हुआ।

लॉ कॉलेज गैंगरेप : आरोपी मोनोजीत घटना के बाद कई जगह घूमा, मांगी थी मदद

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता लॉ कॉलेज की छात्रा से गैंगरेप मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि 25 जून को वारदात के एक दिन बाद मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा ने अपने मेंटर्स से मदद मांगी थी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में चार लोग आरोपी हैं उसमें सुरक्षा गार्ड भी शामिल हैं। ये सभी हिरासत में हैं। यह घटना कॉलेज कैंपस के अंदर हुई थी और पुलिस इसकी गहन जांच कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि घटना के बाद मोनोजीत मिश्रा दक्षिण कोलकाता के कई इलाकों में गया था। रासबिहारी, देशप्रिय पार्क, गरियाहाट, फर्न रोड और बालीगंज स्टेशन रोड में भटकते हुए उसने अपने परिचितों से संपर्क करने की कोशिश की। मोबाइल टावर डेटा से पता चला कि वह पुलिस स्टेशन के पास भी गया था।

हरियाणा और पंजाब सरकारों के साथ वायु प्रदूषण शमन उपायों पर समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एनसीआर और आस-पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में समन्वित कार्रवाई में तेजी लाने के लिए एक ठोस प्रयास के अंतर्गत चंडीगढ़ में पंजाब और हरियाणा राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों के साथ दो महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकें कीं। इस अवसर पर आयोग के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थिति रहे। इन समीक्षा बैठकों का उद्देश्य उक्त दोनों राज्यों में अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रमुख क्षेत्रीय उपायों के कार्यान्वयन का मूल्यांकन करना है।

हरियाणा राज्य सरकार के साथ बैठक के दौरान, अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार 2025 में धान की पराली जलाने को खत्म करने की तैयारी, ईंट भट्टों में धान की पराली आधारित बायोमास छर्रों का उपयोग और थर्मल पावर प्लांटों द्वारा निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों के अनुपालन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें 2025-26 के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत बायोमास को-फायरिंग लक्ष्य के संबंध में की गई प्रगति की समीक्षा भी शामिल है। समीक्षा किए गए अन्य मुद्दों में सड़क धूल शमन रणनीतियां, विशेष रूप से राज्य सरकार द्वारा चिन्हित सड़कों के पुनर्विकास के लिए तैयार की गई कार्य योजना की समीक्षा और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए आयोग द्वारा जारी विभिन्न निर्देश शामिल थे।

समीक्षा बैठकों के अलावा, आयोग की टीम ने 4 जुलाई 2025 को पंजाब और हरियाणा राज्यों में धान की पराली के बाहरी उपयोग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं/प्रतिष्ठानों का दौरा भी किया, जिसमें पेलेटाइजेशन प्लांट, कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) प्लांट, बायोगैस प्लांट, 2जी इथेनॉल प्लांट और औद्योगिक बॉयलर शामिल हैं। इससे धान की पराली के बाहरी प्रबंधन को मजबूत बनाने में दोनों राज्यों द्वारा की गई तकनीकी और परिचालन प्रगति के बारे में मूलभूत जानकारी प्राप्त की गई।

आयोग ने समन्वय बढ़ाने, कार्य योजनाओं के लक्षित क्रियान्वयन और आयोग द्वारा जारी वैधानिक निर्देशों के सख्त क्रियान्वयन के महत्व को दोहराया। सीएक्यूएम ने दोनों राज्य सरकारों द्वारा अब तक किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार को दर्शाने वाले दृश्यमान और मापनीय आंकड़े सुनिश्चित करने के लिए विशेषकर सर्दियों के मौसम के मद्देनजर सभी संबंधित हितधारकों की निरंतर कार्रवाई और साझा प्रतिबद्धता का आग्रह किया।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को लिखी चिट्ठी, कहा- पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से तुरंत खाली कराएं बंगला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पत्र में लिखा गया है कि बिना किसी देरी के डॉक्टर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से बंगला नंबर पांच खाली कराया जाए। उन्हें इस बंगले में रहने की अनुमति का विस्तारित समय सीमा 21 मई 2025 को खत्म हो चुकी है। इसके अलावा 2022 नियमों के नियम 3क्रके तहत प्रदान की गई छह महीने की अवधि 10 मई, 2025 को समाप्त हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के एक अधिकारी द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अरबन अफेयर्स सचिव को भेजे गए इस पत्र को हिन्दुस्तान टाइम्स ने देखा है। जानकारी के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बंगला खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। इसके मुताबिक पूर्व सीजेआई रिटायर होने के बाद भी इस बंगले में रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पत्र में लिखा है कि उन्हें जितने समय के लिए अनुमति दी गई थी, वह समय सीमा पूरी हो चुकी है। साथ ही पत्र में बंगला खाली कराके इसे कोर्ट के हाउसिंग पूल को लौटाने की बात कही गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह पत्र एक जुलाई को आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को भेजा है। इसमें केंद्र सरकार से मांग की गई है कि लुटियंस दिल्ली के कृष्ण मेनन मार्ग पर स्थित बंगला नंबर पांच तत्काल खाली कराया जाए। यह बंगला आधिकारिक तौर पर सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग सीजेआई का आवास है। गौरतलब है कि जस्टिस चंद्रचूड़ नवंबर 2022 से नवंबर 2024 तक देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश रहे। कार्यकाल खत्म होने के करीब आठ महीने बाद भी वह बंगले में रह रहे हैं। वहीं, उनके बाद मुख्य न्यायाधीश बने, जस्टिस संजीव खन्ना और मौजूदा सीजेआई जस्टिस भूषण आर गवई सीजेआई के आधिकारिक निवास में गए ही नहीं। इन दोनों ने अपने पूर्व आवंटित बंगले में ही रहना जारी रखा।

तलाशी के दौरान मिला आतंकियों का अड्डा, भारी मात्रा में मिला हथियारों का जखीरा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों को तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादी का ठिकाना मिला है। जहां से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के जंगलों में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान इस ठिकाने का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि अभियान में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से तीन हथगोले, एके असॉल्ट राइफल की 14 गोलियां, पिस्तौल की 6 गोलियां और अन्य सामग्री बरामद की गईं। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, खानयार पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कुर्की की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादी तंत्र के खिलाफ एक निर्णायक कदम उठाया गया। इसके सहायक ढांचे को ध्वस्त करने के लिए श्रीनगर पुलिस ने एक आवासीय संपत्ति को कुर्क कर लिया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये है। खानयार इलाके के शालबाग के मीर मस्जिद मोहल्ला में स्थित यह संपत्ति मोहम्मद यूसुफ शाह के नाम पर पंजीकृत है। वर्तमान में यह उनके बेटे मसूद हुसैन शाह के कब्जे में है।

11 के खिलाफ आरोप पत्र दायर

इस बीच, जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी ने मादक पदार्थ-आतंकवाद मामले में पाकिस्तान स्थित हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह उर्फ सैयद सलाहुद्दीन समेत 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। एसआईए, जम्मू ने सबसे पहले 2022 में मामला दर्ज किया था। इसने जांच में आतंकवादी सहयोगियों व एक ऐसे सुव्यवस्थित नेटवर्क का पता लगाया था, जो मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में मदद कर प्रतिबंधित संगठन का सहयोग कर रहा था। मध्य कश्मीर के बडगाम के सिबुग गांव के निवासी सलाहुद्दीन के अलावा बडगाम के खान साहिब इलाके का एक अन्य हिजबुल आतंकवादी बशारत अहमद भट का नाम भी आरोप पत्र में शामिल है।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में नीतीश सरकार का ऐतिहासिक कदम

राज्य में 80 और चलेंगी पिंक बसें, चालक-कंडक्टर भी महिलाएं ही होंगी

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को को लेकर बड़ा फैसला लिया है। परिवहन विभाग ने राज्यभर में 80 नई पिंक बसें चलाने की योजना बनाई है। यह सिर्फ महिलाओं के लिए होंगी, जिसे सितंबर 2025 तक सभी जिला मुख्यालयों में चलाया जाएगा। मई 2025 में 20 सीएनजी पिंक बसें पटना, मुजफ्फरपुर, गया, पूर्णिया और दरभंगा में शुरू की गई थीं। इनकी सफलता के बाद अब सरकार ने 80 नई बसें और चलाने का फैसला लिया है।

बता दें 35 बसें पटना में, शेष 45 बसें अन्य प्रमुख जिलों में चलाई जाएंगी। पिंक बसों को पूरी तरह महिला यात्रियों के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें कई आधुनिक और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें जीपीएस लगाया गया है जिससे बसों की लाइव लोकेशन ट्रैक की जा सकती है। पैनिक बटन भी लगा है जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अलर्ट करेगा। पूरे बस में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। सेनेटरी पैड और मेडिकल किट महिलाओं की हेल्थ जरूरतों के लिए लगाया गया है। मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, आरामदायक सीटें हैं और किराया 6 से 25 तक रखा है। छात्राओं के लिए 400 रुपए में मासिक पास बनाया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए 550 में पास बनेगा।

इस पहल को पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है। 500 महिला चालकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। कंडक्टर, चालक और नोडल अधिकारी सभी महिलाएं होंगी। पटना में 16, गया और भागलपुर में 4-4 महिला कंडक्टर पहले ही तैनात की जा चुकी हैं।

नोडल अधिकारी ने इसे नारी सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। बिहार सरकार की यह पहल महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक नायाब प्रयास है। जहां एक तरफ यह कदम यातायात में सुरक्षा और सुविधा तय करता है, वहीं दूसरी ओर यह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है।

हिमाचल में आपदा: यह वक्त राजनीति का नहीं, राहत पहुंचाने का: सीएम सुक्खू

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश इन दिनों भारी बारिश से तबाही मची है। बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ से राज्य में अब तक 69 मौतें, 37 लापता लोगों और 700 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान हुआ है। इस बीच प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ आया, जब मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत और पूर्व सीएम जयराम ठाकुर के बीच कथित बयानबाजी बीजेपी के लिए सिरदर्द बन गई है।

सीएम सुक्खू ने बताया कि उन्होंने राज्य में अपदा को लेकर गृहमंत्री अमित शाह से बात की है और केंद्र सरकार ने हरसंभव मदद देने का वादा किया है। राज्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह राजनीति का नहीं, राहत का वक्त है। हिमाचल की आपदा जहां प्राकृतिक संकट बनी हुई है, वहीं राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी तेज हो गया है। कंगना रनौत और जयराम ठाकुर के बीच सार्वजनिक तौर पर सामने आए मतभेद भाजपा की आंतरिक असहजता को उजागर कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पत्रकारों ने जब जयराम ठाकुर से पूछा कि कंगना रनौत आपदा के समय क्यों चुप हैं, तो उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता जो किसी की परवाह नहीं करते। हम यहां उन लोगों के लिए हैं जो परवाह करते हैं। जयराम ठाकुर के बयान पर कंगना ने एक्स पर जवाब देते हुए कहा कि उन्हें ठाकुर ने ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने से रोका था, क्योंकि सड़कें टूटी हैं और संपर्क पूरी तरह बाधित है।

कंगन ने लिखा- मैंने सेराज व अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने की कोशिश की, लेकिन वहां सड़क संपर्क टूट चुका है। जयराम जी ने सलाह दी है कि जब तक रास्ते ठीक नहीं हो जाते, जाना उचित नहीं। वहीं कांग्रेस ने कंगना के ट्वीट और बीजेपी नेताओं के विरोधाभासी बयानों को लेकर बीजेपी की आपसी तालमेल की कमी और दोहरे रवैये पर सवाल खड़े किए हैं।

राज और उद्धव पर भड़के फडणवीस- शिंदे बोले ये सिर्फ सत्ता की लालसा के अलाव कुछ नहीं

मुंबई (एजेंसी)। भाजपा और महायुति गठबंधन के नेताओं ने इसे सियासी मजबूरी और भाईचारे की नौटंकी करार दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के भाषण पर कटाक्ष करते हुए कहा, राज ने जहां मराठी भाषा के प्रति संवेदनशीलता दिखाई, वहीं उद्धव का पूरा भाषण ईर्ष्या, कटुता और सत्ता की लालसा से भरा था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज ठाकरे पर व्यंग्य करते हुए कहा, अगर मैंने ठाकरे भाइयों को मिला दिया तो शायद बालासाहेब की भी मुझ पर कृपा है। उन्होंने रैली को ÷रुदाली कार्यक्रम÷ बताया और कहा कि मराठी का नाम लेकर सत्ता की राजनीति की जा रही है। फडणवीस ने यह भी पूछा, 25 साल मुंबई नगर निगम आपके पास थी, आपने मराठी के लिए कौन सा कार्य किया? वहीं शिंदे ने कहा कि यह रैली मराठी मानुष की आवाज बनने के बजाय, सत्ता प्राप्ति की व्यक्तिगत कोशिश

बन गई। उन्होंने उद्धव पर 2019 में भाजपा से नाता तोड़कर मराठी अस्मिता और बालासाहेब की विचारधारा के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। राज्य मंत्री आशीष शेलार ने तो इसे भाई-भाई के मेल की रैली बताते हुए कहा, यह मराठी भाषा के प्रेम के लिए नहीं, बल्कि शिवसेना (यूबीटी) की सियासी जमीन बचाने का प्रयास था। वहीं, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने भी सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, मराठी से प्रेम होना ठीक है, लेकिन हिंदी-विरोधी भावना गलत है। मारपीट और धमकी देकर कोई भाषा नहीं सिखाई जा सकती। शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस की यह एकजुटता बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखी जा रही है। उद्धव की पार्टी जहां लोकसभा में पिछड़ती दिखी, वहीं एमएनएस हालिया विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई। यह मंच साझा करना न केवल बालासाहेब ठाकरे की विरासत को फिर से एकजुट करने की कोशिश है, बल्कि मराठी मतदाताओं के बीच भाजपा के खिलाफ एक भावनात्मक और सांस्कृतिक मोर्चा खड़ा करने की रणनीति भी लगती है।

घाना के बाद आतंकवाद के मामले पर भारत को मिला त्रिनिदाद-टोबैगो का साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद भारत ने आतंकवाद के मामले पर दुनियाभर के देशों से पुरजोर अंदाज में समर्थन देने की कूटनीतिक कवायद शुरू की थी। जिसमें उसे काफी सफलता भी हाथ लगी। लेकिन कई ऐसे देश ऐसे रह गए, जहां भारत अपनी इस कोशिश में पहुंच नहीं सका। अब इसी अंतर को पाटने का काम स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा के दौरान कर रहे हैं। जिसका नतीजा यह है कि पहले भारत को आतंकवाद पर घाना का समर्थन मिला। तो वहीं अब कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो (टी-एंड-टी) भी इस मामले में मजबूती से भारत के साथ खड़ा हो गया है। बीते शुक्रवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और त्रिनिदाद-टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के रेड हाउस में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें दोनों शीर्ष नेताओं ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों, अभिव्यक्तियों से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि पीएम मोदी ने पहलगाम हमले को लेकर भारत के लोगों को त्रिनिदाद-टोबैगो द्वारा दिए गए मजबूत समर्थन और एकजुटता की प्रशंसा की। दोनों ने वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच अधिक एकजुटता के लिए मिलकर काम करने और भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति जताई। वार्ता में साझा हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री कमला को भारत यात्रा का निमंत्रण दिया। जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया है। टी एंड टी में पीएम मोदी ने कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं की। जिनमें भारतीय समुदाय सदस्यों की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड सुविधा का विस्तार, विद्यालय के छात्रों को 2 हजार लैपटॉप उपहार में दिए, 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कृषि प्रसंस्करण मशीनरी का औपचारिक हस्तांतरण किया गया। 800 लोगों के लिए 50 दिनों के लिए कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर का आयोजन, हील इन इंडिया के तहत भारत में विशेष चिकित्सा उपचार की पेशकश की जाएगी।

शांति-सुरक्षा के लिए आतंकवाद खतरा

बैठक के बाद जारी किए संयुक्त बयान में भी दोनों नेताओं ने आतंकवाद का उल्लेख किया और उसे शांति और सुरक्षा के लिए एक समान खतरा बताया। उन्होंने इसकी कड़ी निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ सख्त अंदाज अपने विरोध को लेकर प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा पीएम मोदी और पीएम कमला ने घोषणा की कि आतंकवाद के लिए किसी तरह की कोई सफाई नहीं दी जा सकती है। सीमा-पार आतंकवाद भी इसमें शामिल है।

कुल 6 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

मंत्रालय ने बताया, बैठक के बाद भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो के बीच कुल 6 समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय फार्माकोपिया पर एमओयू, त्वरित प्रभाव परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए भारतीय अनुदान सहायता पर समझौता, 2025-2028 की अवधि के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, खेलों में सहयोग पर एमओयू, राजनयिक प्रशिक्षण में सहयोग पर एमओयू और वेस्टइंडीज विश्वविद्यालय, त्रिनिदाद-टोबैगो में हिंदी व भारतीय अध्ययन की दो आईसीसीआर पीठों की पुनर्स्थापना पर एमओयू इसमें मुख्य हैं।

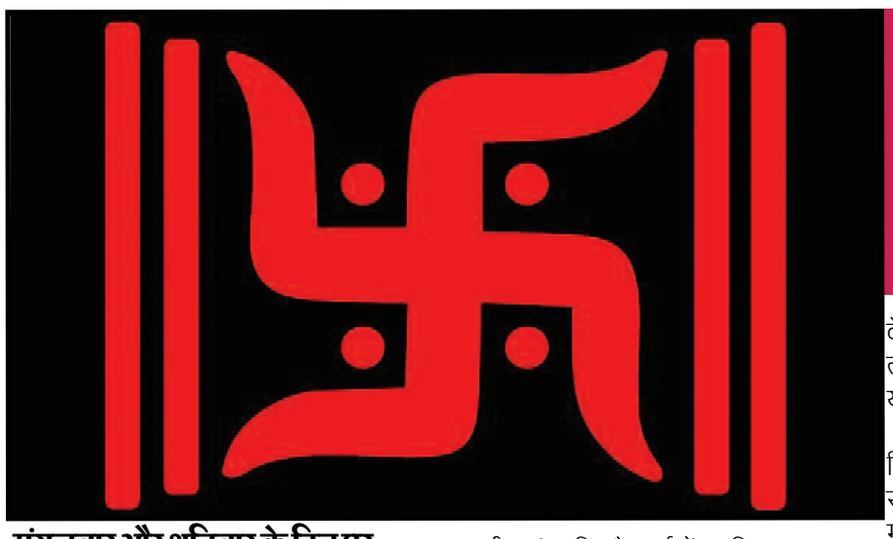

घर का वास्तु दोष दूर करने के लिए मंगलवार और शनिवार को बनाएं स्वास्तिक, घर आएगी शुभता

मंगलवार और शनिवार के दिन घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनती है, तो इससे भविष्य में शुभता मिलने के योग बढ़ते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्वास्तिक चिह्न कहां और किस दिन बनाना चाहिए, जिससे कि वास्तु दोषों से मुक्ति मिल सके।

भारतीय संस्कृति और धर्म में स्वास्तिक को बेहद शुभ और पवित्र चिन्ह माना जाता है। स्वास्तिक न सिर्फ धार्मिक अनुष्ठानों में प्रयुक्त होता है, बल्कि वास्तु और ज्योतिष शास्त्र में भी इसका विशेष महत्व होता है। स्वास्तिक घर में पॉजिटिव एनर्जी को आकर्षित करता है और निगेटिव एनर्जी दूर करने में सहायक होता है। माना जाता है कि यदि किसी के घर में वास्तु दोष होता है, तो उनको दूर करने के लिए घर पर स्वास्तिक चिह्न जरूर बनाना चाहिए। मंगलवार और शनिवार के दिन घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनती है, तो इससे भविष्य में शुभता मिलने के योग बढ़ते हैं।

घर में बनाया गया स्वास्तिक चिह्न घर की आर्थिक स्थिति को सुधारने के साथ घर के सदस्यों को मानसिक शांति और सफलता प्रदान करता है। घर में बड़े से बड़ा वास्तु दोष क्यों न हो, आप स्वास्तिक उपाय से इसको दूर कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्वास्तिक चिह्न कहां और किस दिन बनाना चाहिए, जिससे कि वास्तु दोषों से मुक्ति मिल सके।

इन दो दिन बनाएं स्वास्तिक चिन्ह

घर के किसी भी स्थान के वास्तु दोष को दूर करने के लिए आप सप्ताह के दो दिनों में स्वास्तिक जरूर बनाना चाहिए। मंगलवार और शनिवार को स्वास्तिक बनाने का विशेष महत्व माना जाता है। इन दोनों दिन स्वास्तिक बनाने का विशेष कारण यह होता है कि इन दोनों दिनों का संबंध मंगल और शनि ग्रह से होता है। मंगल ग्रह ऊर्जा, साहस और शक्ति का प्रतीक होता है, तो वहीं शनि ग्रह कर्म और न्याय का प्रतीक होता है। अगर किसी व्यक्ति के जीवन में वास्तु दोष के कारण परेशानियां आती हैं, तो यह उपाय काफी प्रभावी साबित हो सकता है।

ऐसे बनाएं स्वास्तिक

स्वास्तिक बनाने से पहले घर के मुख्य द्वार को अच्छे से साफ कर लें। फिर मुख्य द्वार पर हल्दी, कुमकुम, रोली या चंदन का स्वास्तिक बनाएं। इससे घर की पवित्रता और सकारात्मकता बढ़ती है। इस चिन्ह को बनाते समय ॐ नमः शिवाय और ॐ श्री गणेशाय नमः मंत्र का जाप करें। इससे शुभता और आध्यात्मिकता बढ़ती है।

स्वास्तिक के चारों ओर शुभ-लाभ लिखना काफी शुभ माना जाता है। यह सुख-समृद्धि को आकर्षित करता है। वहीं इसके चारों कोनों पर चावल और फूल अर्पित करने से वातावरण में पॉजिटिविटी बनी रहती है। हर मंगलवार और शनिवार को नियमित रूप से स्वास्तिक बनाना शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है।

स्वास्तिक बनाने से मिलने वाले लाभ

अगर घर में किसी तरह की निगेटिव एनर्जी प्रभावी होती हैं, तो स्वास्तिक उसकी एनर्जी को खत्म कर देता है और पॉजिटिव एनर्जी का संचार करता है।

घर में स्वास्तिक का चिन्ह बनाने से धन का प्रवाह अच्छा बना रहता है और जातक अपने व्यापार और नौकरी में भी उन्नति करता है। यह उपाय धन हानि को रोकने में भी सहायक है।

इस उपाय को करने से मानसिक तनाव दूर होता है और घर के सदस्यों में प्रेम और सौहार्द बना रहता है। घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है।

अगर किसी जातक की कुंडली में मंगल या शनि दोष होता है, तो यह उपाय इसको शांत करने में सहायता करता है।

बता दें कि स्वास्तिक सिर्फ एक धार्मिक चिन्ह नहीं बल्कि शक्तिशाली ऊर्जा का भी स्त्रोत होता है। जोकि घर में पॉजिटिविटी बनाए रखने में मदद करता है और घर के वास्तु दोषों को भी दूर करता है।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां, वरना नौकरी में आ सकती हैं बाधाएं

बहुत सारे लोग होते हैं, जो ऑफिस डेस्क पर फूल रखना पसंद करते हैं। ऑफिस डेस्क पर फूल रखना अच्छा माना जाता है। फूलों की सुगंध और सुंदरता के प्रभाव से आसपास का वातावरण अच्छा बना रहता है, तो वहीं दूसरी ओर फूलों से जुड़े वास्तु आपकी तरक्की के मार्ग भी खोलते हैं।

वास्तु शास्त्र में ऑफिस डेस्क को काफी महत्वपूर्ण माना गया है। आपकी नौकरी एवं उससे जुड़ी सफलता पर भी ऑफिस डेस्क का प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस डेस्क से संबंधित नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। ऐसे में बहुत सारे लोग होते हैं, जो ऑफिस डेस्क पर फूल रखना पसंद करते हैं। ऑफिस डेस्क पर फूल रखना अच्छा माना जाता है। फूलों की सुगंध और सुंदरता के प्रभाव से आसपास का वातावरण अच्छा बना रहता है, तो वहीं दूसरी ओर फूलों से जुड़े वास्तु आपकी तरक्की के मार्ग भी खोलते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ऑफिस डेस्क पर फूलों को रखने के समय किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।

ऑफिस डेस्क पर ऐसे न रखें फूल

ऑफिस डेस्क पर फूल रखने के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि फूलों का मुख हमेशा आपकी तरफ हो। यानी की फूल आपकी ओर झुके हों, न कि किसी अन्य दिशा की तरफ। अगर फूल किसी और दिशा की ओर झुके होंगे, तो सकारात्मकता दूसरी ओर चली जाएगी और निगेटिव एनर्जी का संचार आपकी ओर बढ़ेगा।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय ध्यान रखें कि यह मुरझाए हुए न हों। अगर आप ऑफिस डेस्क पर फूल रखते हैं, तो इनको मुरझाने से पहले बदल दें। वरना इससे नकारात्मकता बढ़ती है। वहीं वास्तु शास्त्र के मुताबिक सफलता पाने में भी दिक्कतें आनी शुरू हो जाती हैं।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखने के दौरान ध्यान रखें कि यह कांटेदार न हों। क्योंकि कांटेदार फूल का डेस्क पर होना नौकरी के मामलों में बार-बार संकट आने को दर्शाता है। अगर आप गुलाब के फूल डेस्क पर रखते हैं, तो इसके कांटे हटाकर रखें।

ऑफिस डेस्क पर प्लास्टिक के फूल नहीं रखने चाहिए। क्योंकि वास्तु शास्त्र में प्लास्टिक के फूलों को अशुद्ध बताया गया है। इसलिए प्लास्टिक के फूलों को ऑफिस डेस्क पर रखने से राहु का दुष्प्रभाव पड़ता है और नौकरी में बार-बार बाधाएं आती हैं।

पूजा के दौरान दीपक जलाते समय भूलकर न करें ये गलतियां, वरना नहीं मिलेगा पूर्ण फल

अगर आप कुछ नियमों का ध्यान रखते हुए रोजाना घर में भगवान की पूजा के दौरान दीपक जलाते हैं, तो इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। ऐसे में आज हम आपको पूजा के समय दीपक जलाने के कुछ जरूरी नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं।

हिंदू धर्म में सुबह और शाम के समय पूजा के दौरान दीपक जलाने का खास महत्व होता है। ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है और पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है। हालांकि ज्योतिष शास्त्र में पूजा घर में दीपक जलाने के कुछ खास नियमों के बारे में बताया गया है। जिनका हर किसी को ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि सही तरीके से दीपक न जलाने से पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है और घर में समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में अगर आप इन नियमों का ध्यान रखते हुए रोजाना घर में भगवान की पूजा के दौरान दीपक जलाते हैं, तो इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पूजा के समय दीपक जलाने के कुछ जरूरी नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं।

दीपक जलाने के दौरान न करें ये काम

घर या मंदिर में भगवान की पूजा के दौरान दीया जलाने के लिए भूलकर भी दूसरे दीपक का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। कई बार हम तुलसी के पास दीपक जलाने के लिए मंदिर वाले दीपक से दीया जला लेते हैं। लेकिन ऐसा करना अच्छा नहीं माना जाता है। अगर आप भी यह गलती करते हैं, तो इससे पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

दीपक जलाने के बाद नहीं करनी चाहिए ये गलती

पूजा के समय दीपक जलाने के बाद अगर आप धूपबत्ती या अगरबत्ती को दीपक की अग्नि से जलाते हैं, तो ऐसा नहीं करना चाहिए। क्योंकि दीपक से धूपबत्ती या अगरबत्ती जलाने से दीपक की अग्नि बुझ सकती है। इसलिए धूपबत्ती जलाने के लिए हमेशा माचिस का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे अशुभ फल की प्राप्ति होती है और व्यक्ति को आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ सकता है।

भूलकर भी न करें ये गलतियां

अगर आप भी रोजाना शाम के समय मुख्य द्वार पर दीपक जलाते हैं, तो कुछ खास नियमों का ध्यान रखना जरूरी है। लेकिन जरूरी है कि घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाकर इस तरह से रखना चाहिए कि इसका मुख सामने की ओर है। इस तरह दीपक जलाना शुभ माना जाता है। वहीं दीपक जलाने के दौरान ध्यान रखें कि कभी सम संख्या में दीपक न जलाएं। बल्कि आप 3, 5, 7, 9 और 11 दीप जला सकते हैं।

इस तेल का जलाएं दीपक

घर के मंदिर में श्रीहरि और मां लक्ष्मी की पूजा के समय सही तेल से दीपक जलाना जरूरी होता है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के सामने शुद्ध देसी घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे जातक को विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में धन-दौलत की कमी नहीं होती है। लेकिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के सामने तेल का दीपक नहीं जलाना चाहिए। ऐसा करने से आपकी पूजा अधूरी रह सकती है।

दीपक की बाती

पूजा के समय दीपक जलाने के दौरान तेल और बाती का हमेशा ख्याल रखना चाहिए। दीपक की बाती के प्रयोग के कुछ खास नियम होते हैं। जिनका ध्यान रखना चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि मां लक्ष्मी और मां दुर्गा की पूजा के समय लाल रंग की बाती का इस्तेमाल करना चाहिए। मां दुर्गा और मां लक्ष्मी की पूजा के दौरान सफेद रंग की बाती का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इससे व्यक्ति को अशुभ फल की प्राप्ति होती है। क्योंकि सफेद रंग की बाती पितरों के सामने जलानी चाहिए।

विष्णु पूजा में दीपक

गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित माना जाता है। विष्णु भगवान की पूजा के समय दीपक जलाते समय इस बात का ख्याल रखें कि दीपक की बाती पीले रंग की हो। गुरुवार को पीले रंग के इस्तेमाल का विशेष महत्व होता है। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

शनिदेव की पूजा में दीपक

शनिवार का दिन शनिदेव को समर्पित होता है। ऐसे में शनिवार को शनिदेव की पूजा करने और सरसों का तेल अर्पित करने का खास महत्व होता है। लेकिन शनिदेव के सामने दीपक जलाने के दौरान सही तेल और बाती का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक शनिदेव के सामने नीले या काली बत्ती का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं दीपक सरसों या तिल के तिल में जलाना चाहिए। ऐसा करने से शनिदेन प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति के जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है। शनिदेव के सामने घी का दीपक कभी नहीं जलाना चाहिए।

सावन में भगवान शिव को चढ़ाएं ये एक खास फूल, बदल सकती है किस्मत

सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति के लिए बेहद खास माना जाता है। इस पावन महीने में शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र चढ़ाने की परंपरा तो है ही, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ एक फूल चढ़ाकर भी आप भोलेनाथ को प्रसन्न कर सकते हैं? शास्त्रों के अनुसार, यह फूल आपके जीवन की समस्याएं दूर कर सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि वह कौन सा फूल है और उसे कैसे चढ़ाना चाहिए।

सावन 2025 में कब से कब तक रहेगा?

पंचांग के अनुसार साल 2025 में सावन का महीना 11 जुलाई 2025 से शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक रहेगा। इस बार सावन में 4 सोमवार पड़ेंगे। भगवान शिव का प्रिय दिन सोमवार होता है और सावन में इनका विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि इस महीने में भगवान शिव की भक्ति करने से जीवन के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं और मनचाही इच्छाएं पूरी होती हैं।

कौन सा है वो खास फूल?

सावन में भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए जिस फूल की बात हो रही है, वह है कनेर का फूल। खासकर पीले रंग का कनेर भगवान शिव को सबसे अधिक प्रिय माना जाता है। मान्यता है कि इस फूल को अर्पित करने से भगवान शिव भक्त की सभी परेशानियों का अंत कर देते हैं। इसके साथ ही जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का आगमन होता है।

कई रंगों का होता है यह फूल

कनेर का फूल न केवल सुंदर होता है बल्कि यह लाल, गुलाबी, पीले और सफेद रंगों में मिलता है। हिंदू धर्म में पूजा-पाठ में इस फूल का विशेष महत्व है। खासतौर पर सावन में शिवलिंग पर कनेर का फूल चढ़ाने से जल्दी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस बात का खास ध्यान रखें कि फूल चढ़ाते समय '? नमः शिवाय' मंत्र का जाप जरूर करें।

मां बनने के बाद होता है आर्थिक नुकसान, कोंकणा ने इंडस्ट्री के दोहरे रवैये पर की बात

अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वो पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आने वाली हैं। इस बीच अब अभिनेत्री काम और पर्सनल लाइफ के बीच संतुलन बिठाने को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने मां बनने के बाद महिलाओं के काम और उनके वेतन पर पड़ने वाले असर को लेकर भी बात की।

मां बनने के बाद पड़ता है असर

फर्स्टपोस्ट के साथ हालिया बातचीत में कोंकणा सेन शर्मा ने कहा कि सच कहूं तो आज के वक्त में किसी भी इंडस्ट्री में मां बनने के बाद महिलाओं की कमाई में असर दिखना शुरू हो जाता है। जबकि पुरुषों के साथ इसका उल्टा होता है। क्योंकि होता ये है कि एक पिता के तौर पर एक पुरुष के लिए जैसे-जैसे उनके बच्चे होते हैं, वो अधिक सीनियर होते जाते हैं और अधिक कमाने लगते हैं। लेकिन महिलाओं के साथ इसका उल्टा होता है। क्योंकि मां बनने के बाद महिलाओं को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। क्योंकि आप उस तरह से हर चीज में हिस्सा नहीं ले सकते और वैसे काम नहीं कर सकते। जिस तरह से समाज आपसे उम्मीद करता है या जो आपके वर्कप्लेस पर आपसे उम्मीद की जाती है।

'सरकारों को वर्किंग मदर्स के लिए नीतियों में करना चाहिए बदलाव'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, अब आने वाले दिनों में ये होने वाला है कि महिलाओं को बच्चे पैदा करने के लिए बिल्कुल भी प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा। क्योंकि यह दिन पर दिन मुश्किल होता जा रहा है। आप जानते हैं, प्रोफेशनल लाइफ में एक्टिव होना और साथ ही एक अच्छी मां बनना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जिसके लिए सरकारों को अंततः वर्किंग माओं के लिए नीतियों में बदलाव करना होगा। वर्ना धीरे-धीरे इसमें कमी आती जाएगी।

'मेट्रो इन दिनो' में नजर आएंगी कोंकणा

वर्कफ्रंट की बात करें तो कोंकणा अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनो' का हिस्सा हैं। इस फिल्म में कोंकणा के अलावा पंकज त्रिपाठी, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, अनुपम खेर, फातिमा सना शेख और नीना गुप्ता भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

इस एक्ट्रेस ने प्रियंका की फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' को सराहा, देसी गर्ल ने दिया रिएक्शन

प्रियंका चोपड़ा की हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' की तारीफ उनके कई बॉलीवुड को-एक्टर्स भी कर रहे हैं। हाल ही में साउथ के पॉपुलर एक्टर महेश बाबू की पत्नी और एक्ट्रेस नम्रता शिरोडकर ने प्रियंका की हॉलीवुड फिल्म को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट की है। नम्रता की पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने भी रिएक्शन दिया है।

नम्रता ने प्रियंका को अमेजिंग बताया

नम्रता शिरोडकर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। पोस्ट में नम्रता ने लिखा है, 'आप फिल्म में बहुत अमेजिंग थीं प्रियंका चोपड़ा। आपने धमाल मचा दिया। मुझे फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट्स' बहुत पसंद आई।' नम्रता की इस पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने भी रिएक्ट किया, उनकी पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगाया। साथ ही नम्रता के लिए एक मैसेज भी लिखा, 'शुक्रिया क्वीन, नम्रता शिरोडकर।'

साउथ की मेगा बजट फिल्म का भी हिस्सा प्रियंका

बताते चलें कि प्रियंका चोपड़ा, नम्रता शिरोडकर के पति और एक्टर महेश बाबू के साथ एक साउथ फिल्म कर रही हैं। इस मेगा बजट फिल्म में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं। फिल्म को एस.एस. राजामौली निर्देशित कर रहे हैं। पिछले दिनों इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका भारत भी आई थी। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी जानकारी प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी।

निमरत कौर ने की टाइगर की तारीफ

बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ और टीवी एक्ट्रेस निमरत कौर का म्यूजिक वीडियो 'बेपनाह' रिलीज हो चुका है। निमरत ने को-एक्टर टाइगर की तारीफ करते हुए बताया कि वह मेहनती हैं और हर फ्रेम में उनका पैशन दिखता है। टीवी शो 'छोटी सरदारनी' फेम निमरत कौर ने इस वीडियो में टाइगर के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर किया है। उनके ग्लैमरस अंदाज और टाइगर की डांस प्रतिभा ने इस गाने को खास बना दिया है।

निमरत ने इस अनुभव को शेयर करते हुए बताया, टाइगर के साथ काम करना बेहद मजेदार रहा। हर फ्रेम में उनका जुनून और मेहनत साफ दिखता है, जो प्रेरणादायक है। मुझे उनकी एनर्जी से तालमेल बिठाना था और कोरियोग्राफर बॉस्को ने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकालकर बेहतरीन डांस सिखाया। यह गाना स्टाइल, रिदम और केमिस्ट्री का शानदार मिश्रण है। मैं दर्शकों के रिएक्शन का इंतजार कर रही हूं। निमरत ने यह भी बताया कि जब उन्होंने 'बेपनाह' का कॉन्सेप्ट और ट्रैक सुना, तो वह तुरंत इसकी दीवानी हो गईं। गाने की जीवंतता और ग्लैमरस वाइब ने उन्हें नया लुक आजमाने का मौका दिया। टाइगर सोशल मीडिया पर गाने के बीटीएस वीडियो और टीजर शेयर कर चुके हैं। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा था, मैंने लंबे समय बाद खुद को इतना पुश किया है। इस गाने को आप सबके साथ शेयर करने के लिए उत्साहित हूं। यह म्यूजिक वीडियो हाई-फैशन विजुअल्स और शानदार कोरियोग्राफी का मिश्रण है, जो दर्शकों को मनोरंजन का दोगुना डोज देगा। टाइगर के फैंस इसे उनके अब तक के सबसे शानदार परफॉर्मेंस में से एक बता रहे हैं। 'बेपनाह' यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है। टाइगर जल्द ही 'बागी 4' में भी नजर आएंगे, जो 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आज के समय में मैं गेमिंग तब करता हूं जब मुझे कोई टेंशन होती है

फिल्म तारे जमीन पर के ईशान अवस्थी के रूप में आज भी याद किए जाने वाले एक्टर दर्शील सफारी इन दिनों अपनी वेब सीरीज गेमरलोग को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में दर्शील ऑनलाइन गेमिंग मुकाबले में भागीदारी करने वाले युवा की भूमिका में हैं। खास बात यह है कि दर्शील खुद भी ऑनलाइन गेमिंग के बेहद शौकीन हैं। यहां तक कि एक समय था, जब उन्होंने रात-रात भर ऑनलाइन गेम खेला है। बकौल दर्शील, हमारी पीढ़ी के युवाओं के बीच ऑनलाइन गेमिंग एक आम बात है। मैंने बहुत कम उम्र में ऑनलाइन गेम खेलना शुरू किया था। एक समय था, जब मैंने रात-रात भर ऑनलाइन गेम खेली है। मेरे पास गेमिंग कंसोल था, पर मेरे डैड को लगा कि ये तो बहुत बड़ी गलती हो गई और उन्होंने मुझे गेम खेलने से रोक दिया। ईशान ने बताया, उन्होंने कहा कि जब तक मेरे बोर्ड एग्जाम खत्म नहीं होते, मैं गेम नहीं खेल सकता। यहां तक कि उन्होंने एक नया प्ले स्टेशन सरप्राइज के तौर पर छिपाकर रखा था। मुझे पता भी नहीं था कि मेरे घर पर यह प्ले स्टेशन है। हालांकि, अब मैं उतना गेम नहीं खेलता। एक बैलेंस बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

तारे जमीन पर के एक्टर ने कहा,मैं सबसे यह कहना भी चाहूंगा कि गेमिंग में बहुत ज्यादा घुस जाना भी अच्छा नहीं होता है। आपको एक बाहर की दुनिया से भी जुड़ा रहना चाहिए। आज के समय में मैं गेमिंग तब करता हूं, जब मुझे अपनी किसी सोच को बंद करना होता है। जब कोई टेंशन होती है तो मैं 15-20 मिनट खेलता हूं तो वो टेंशन दूर हो जाती है।

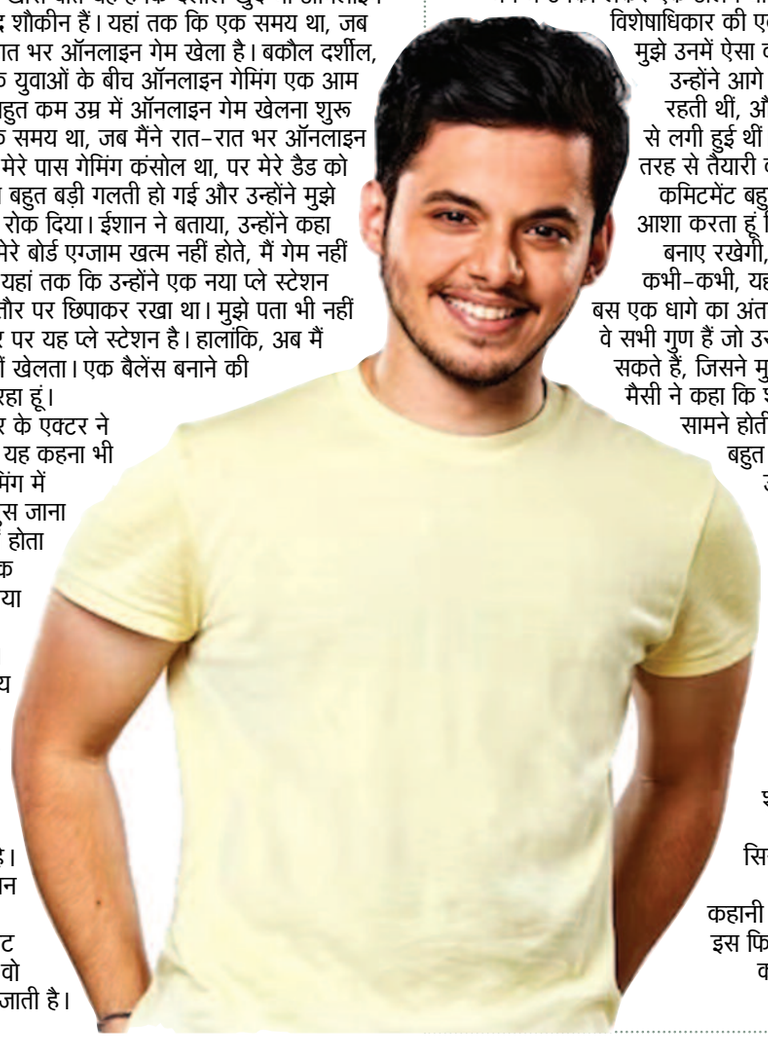

शनाया की ईमानदारी और कमिटमेंट ने किया मुझे हैरान

विक्रांत मैसी ने फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में अभिनेत्री शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। अभिनेता विक्रांत मैसी ने बताया कि कैसे उनके समर्पण और कड़ी मेहनत ने नेपोटिज्म जैसे स्टीरियोटाइप को तोड़ने में मदद की। समाचार एजेंसी आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में विक्रांत से पूछा गया कि उन्होंने रोमांटिक ड्रामा की शूटिंग के दौरान शनाया से क्या सीखा? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेता ने कहा, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। लेकिन जिस चीज ने मुझे सबसे ज्यादा प्रेरित किया, वह था उनकी कमिटमेंट। जिस इंटेनसिटी और ईमानदारी के साथ वह इस फिल्म में आईं, मेरे लिए यह अविश्वसनीय रूप से प्रेरक और मार्मिक था। भले ही यह सच है कि वह नेपोकिड हैं और फिल्मी परिवार से आती हैं, तो लोगों के मन में उनको लेकर एक अलग धारणा बनी है कि उनके पास विशेषाधिकार की एक खास भावना है। लेकिन मुझे उनमें ऐसा कुछ भी महसूस नहीं हुआ।

उन्होंने आगे कहा, वह हर दिन सेट पर रहती थीं, और इस प्रोजेक्ट में पूरे दिल से लगी हुई थीं। वह फिल्म में बहुत अच्छी तरह से तैयारी करके आई थीं। उनका यह कमिटमेंट बहुत प्रेरणादायक था, और मैं आशा करता हूं कि वह इसे लंबे समय तक बनाए रखेगी, क्योंकि मेरा मानना है कि कभी-कभी, यह अच्छे और महान के बीच बस एक धागे का अंतर होता है, और उनके पास वे सभी गुण हैं जो उसे इस इंडस्ट्री में आगे बढ़ा सकते हैं, जिसने मुझे वास्तव में प्रेरित किया। मैसी ने कहा कि शनाया कपूर जब कैमरे के सामने होती हैं तो सच में उस पल को बहुत अहमियत देती हैं और यह उनके काम में झलकता है। जब दर्शक फिल्म देखेंगे, तो उन्हें भी ऐसा ही लगेगा कि उन्होंने इस अवसर को हल्के में नहीं लिया है। और यह, मेरे लिए, बहुत ताजगी भरा था।

शनाया कपूर आंखों की गुस्ताखियां से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने जा रही हैं, जो 11 जुलाई को सिनेमाघरों में आने वाली है। रस्किन बॉन्ड की मशहूर कहानी द आइज हैव इट से प्रेरित इस फिल्म में शनाया एक थिएटर कलाकार की भूमिका में हैं।

8 घंटे शिफ्ट की लड़ाई कब से लड़ रही हूं

कला उन्हें विरासत में मिली। उनके दादा नाटक कंपनी चलाते थे, तो सुर सम्राज्ञी बुआ लता मंगेशकर और आशा भोसले की भी संगत रही। लिहाजा, वह खुद भी बचपन ही फिल्मों में गायिकी और अदाकारी का हुनर दिखाने लगीं। हम बात कर रहे हैं, 80 के दशक की प्रेम रोग, वो सात दिन, सौतन जैसी यादगार फिल्मों की स्टार अदाकारा पद्मिनी कोल्हापुरे की, जिन्होंने लंबे अर्से बाद सीरियल चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान से छोटे पर्दे पर वापसी की है।

आज नायिका प्रधान फिल्मों की काफी बातें होती हैं कि अब लड़कियों के लिए दमदार रोल लिखे जा रहे हैं। आप इससे कितना सहमत हैं?

पद्मिनी ने कहा- ये मुझे विपरीत बात लगती है। अभी मैं किसी से बात कर रही थी, तो उनका कहना था कि उस जमाने में जिस तरह से महिला प्रधान फिल्में हुआ करती थीं, वो अभी नहीं बन रही है, तो ये नजरिए की बात है। अपने ज़माने में मैंने ढेरों अच्छी फिल्में और बहुत बढ़िया कैरेक्टर किए है। जैसे, प्रेम रोग, इंसाफ का तराजू, वो सात दिन, सौतन, जिनके बारे में आज भी चर्चा होती है। यही नहीं, उस ज़माने में हम 5 या 6 ही लड़कियां थीं। जबकि, आज 50 से 100 लड़कियां हैं, तो कॉम्पिटिशन बहुत तगड़ा हो गया है।

इंसाफ का तराजू और प्रेम रोग जैसी फिल्में सेक्सुअल एब्यूज और विधवा विवाह जैसे गंभीर मुद्दों पर हैं। उसमें इंटीमेट सीन भी थे, जबकि आप तब सिर्फ 15-16 साल की थीं। उन किरदारों को करना कितना मुश्किल था? कुछ असहज भी हुईं?

देखिए, ये तो डायरेक्टर के हाथ में होता है कि वे ऐसे सीन को कैसे फिल्माते हैं। उस समय में इतने बड़े-बड़े डायरेक्टर्स थे, राज कपूर, बीआर चोपड़ा, वी शांताराम, वे एक जुनून के साथ फिल्म बनाते थे। उनको सिनेमा से मोहब्बत थी, जो मैंने खुद देखा है। वे यह सोचकर फिल्म नहीं बनाते थे कि वो चलेगी या नहीं। 100 दिन करेगी या सिल्वर जुबली। उन्हें स्क्रिप्ट पसंद आती थी, तो वे उसमें बिल्कुल डूब जाते थे। वे इस नीयत से सिनेमा बनाते थे। दूसरे, चूंकि मैं बचपन से ही काम करती आ रही हूं तो मुझे उसमें ऐसा कुछ अलग या असहज नहीं लगा। मैं तो नर्वस तब हुई थी, जब जमाने को दिखाना है में पहली बार ऋषि कपूर जी के साथ काम करना था। मैं ऋषि जी की बहुत बड़ी फैन थी। आज भी मैं उनकी फिल्में देखती हूं तो उनकी बहुत याद आती है।

आपने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट भी बहुत काम किया है, क्या बचपन में काम इंजॉय करती थीं? जैसे नीतू कपूर कहती है की वो इंजॉय नहीं करती थीं, इसलिए शादी के बाद जैसे मौका मिला, उन्होंने ऐक्टिंग छोड़ दी...

ऐक्टिंग छोड़ी तो मैंने भी। मैंने भी 21 साल की उम्र में ऐक्टिंग छोड़ दी थी, जब मेरी शादी हुई, क्योंकि तब मैं इतनी बिजी थी। सुबह से लेकर रात तक। जैसे अभी इस शो चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान के लिए ही मुझे 12 से 14 घंटे शूट करना पड़ रहा है। उस समय तो हफ्ते में सातों दिन, साल में 365 दिन नॉनस्टॉप शूटिंग हुआ करती थी। आप सोचिए, मैं बच्ची ही थी न। बच्ची छोड़िए, कोई बड़ा भी हो तो सुबह 7 बजे से रात के 11-12 बजे तक आप बाहर ही रहो। आज-कल, परसों, 10 दिन, 15 दिन महीना साल तो इंसान थक ही जाता है ना, तो ये हुआ मेरे साथ। इसलिए, मैंने भी जब शादी की, तो खुद ही तय कर लिया था कि शादी के बाद मैं काम छोड़ दूंगी। बहुत हो गया और उसका कोई अफसोस नहीं है। अभी लोग सोचते हैं कि अब फिर से काम क्यों कर रही हूं, तो वो इसलिए क्योंकि मैं यही एक काम जानती हूं।

तब ज्यादातर हीरोइनें शादी और मां बनने के बाद काम छोड़ देती थीं, मगर आज करीना, आलिया, दीपिका सब काम कर रही हैं और वे एक वर्क कल्चर की मांग कर रही हैं कि 12-14 नहीं, 8 घंटे काम होना चाहिए। आपका क्या नजरिया है?

काम के घंटे निश्चित तौर पर कम होने चाहिए। ऐसा नहीं कि 12-14 घंटे की शिफ्ट हो। मैं सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन (ष्टद्बहञ्ज) की सीनियर वाइस प्रेजिडेंट भी हूं तो हम इसके लिए बहुत समय से लड़ रहे है, आग्रह भी कर रहे हैं कि प्लीज थोड़ी सी सहूलियत करें। मुझ लगता है कि कुछ बड़े कलाकार भी इसमें जुड़ जाएं और तो सबके लिए आसानी हो जाएगी। सभी खुशी खुशी काम कर पाएंगे, क्योंकि ऐक्टिंग में फिजिकली और मेंटली दोनों तरह से बहुत काम होता है। जैसे, अभी एक दिन 12 बजे तक शूट करते-करते मैं खुद बिल्कुल डेड हो गई थी कि भई, अब मुझसे नहीं होगा और काम के वक्त ये तनाव अच्छा नहीं है।

फिल्म पानीपत के बाद टीवी पर 11 साल बाद वापसी करने के लिए भी आपने चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान जैसा ऐतिहासिक शो चुना है। ऐसा क्यों?

चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की दुनिया में कदम रखना ही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। जब राजमाता की भूमिका मेरे पास आई तो मुझे तुरंत एक जुड़ाव महसूस हुआ। ऐसी भूमिका मिलना दुर्लभ है जिसमें इतनी गहराई और शांत शक्ति हो। पानीपत मेरी पहली ऐतिहासिक फिल्म थी, जिसे करने में मुझे बहुत मजा आया था, मगर फिल्म में आपको तीन घंटे में सब कुछ दिखाना पड़ता है, जबकि टीवी पर आप बहुत दिखा सकते हैं। अभी मैं शूट के लिए पटना गई थी, तो फ्लाइट में छावा देखी और मुझे लगा कि हमारे देश के इन नायकों की कहानी कहना बेहद जरूरी है।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673